संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -69 मंगलवार, 09 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बिलकिस गैंगरेप के 11 दोषी फिर जाएंगे जेल

बिलकिस गैंगरेप के 11 दोषियों पर चला सुप्रीमकोर्ट का कानूनी डंडा

» एससी ने कहा-2 हफ्ते में सरेंडर करें...

» बिलकिस बोलीं- सीने से बोझ उतरा, अब सांस ले पा रही है...

अहमदाबाद/नईदिल्ली,08 जनवरी 2024 (ए)। गुजरात में 2002 दंगों के दौरान बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषियों को समय से पहले जेल से रिहा करने के राज्य सरकार के फैसले को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा- सजा अपराध रोकने के लिए दी जाती है। पीड़ित की तकलीफ की भी चिंता करनी होगी।

बेंच ने कहा कि गुजरात सरकार को रिहाई का फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है। उसने अपनी सत्ता और ताकत का दुरुपयोग किया है। वह दोषियों को कैसे माफ कर सकती है। सुनवाई महाराष्ट्र में हुई है तो रिहाई पर फैसला भी वहीं की सरकार करेगी। जिस राज्य में अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है, उसी को दोषियों की माफी याचिका पर फैसला लेने का अधिकार है।

इस कमेंट के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मई 2022 में जस्टिस अजय रस्तोगी (रिटायर्ड) के उस फैसले को भी रद्द कर दिया,जिसमें 11 दोषियों को गुजरात सरकार से शीघ्र माफी के लिए अपील करने की अनुमति दी गई थी। गुजरात सरकार ने इन्हें 15 अगस्त 2022 को रिहा कर दिया था। बेंच ने सभी 11 दोषियों को 2 सप्ताह में सरेंडर करने को कहा। फैसले के बाद बिलकिस के घर पर पटाखे फोड़े गए।

इस फैसले के बाद बिलकिस बानो ने बयान जारी कर सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि असल में आज मेरे लिए नया साल शुरू हुआ है। मेरी आंखें राहत के आंसुओं से भीग गई हैं। पिछले डेढ़ साल में आज पहली बार मेरे चेहरे पर मुस्कान आई है। मैंने अपने बच्चों को गले लगाया और मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरे सीने से पहाड़ जितना बड़ा पत्थर आज उतर गया। अब मैं सांस ले पा रही हूं। यही न्याय का अहसास है।

बिलकिस के दोषियों के खिलाफ 30 नवंबर को दाखिल की गई थी याचिका

बिलकिस के 11 दोषियों की रिहाई के खिलाफ 30 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं। पहली याचिका में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें तुरंत वापस जेल भेजने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के मई में दिए आदेश पर विचार करने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई पर फैसला गुजरात सरकार करेगी। बिलकिस ने कहा कि जब केस का ट्रायल महाराष्ट्र में चला था, फिर गुजरात सरकार फैसला कैसे ले सकती है? केस के सभी 11 दोषी आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रिहा कर दिए गए थे।

दंगों के दौरान 5 महीने की गर्भवती थीं बिलकिस

गुजरात में गोधरा कांड के बाद 3 मार्च 2002 को दंगे भड़के थे। दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका में रंधिकपुर गांव में उग्र भीड़ बिलकिस बानो के घर में घुस गई थी। दंगाइयों से बचने के लिए बिलकिस अपने परिवार के साथ एक खेत में छिपी थीं। तब बिलकिस की उम्र 21 साल थी और वे 5 महीने की गर्भवती थीं।

दंगाइयों ने किया था बिलकिस का गैंगरेप

दंगाइयों ने बिलकिस का गैंगरेप किया। उनकी मां और तीन और महिलाओं का भी रेप किया गया। इस हमले में उनके परिवार के 17 सदस्यों में से 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी। 6 लोग लापता पाए गए, जो कभी नहीं मिले। हमले में सिर्फ बिलकिस, एक शख्स और तीन साल का बच्चा ही बचे थे।

2008 में 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा मिली

गैंगरेप के आरोपियों को 2004 में गिरफ्तार किया गया था। जनवरी 2008 में सीबीआईकी स्पेशल कोर्ट ने 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपियों की सजा को बरकरार रखा था। आरोपियों को पहले मुंबई की आर्थर रोड जेल और इसके बाद नासिक जेल में रखा गया था। करीब 9 साल बाद सभी को गोधरा की सबजेल में भेज दिया गया था।

प्रियंका गांधी बोलीं-भाजपा की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया

अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार बिलकिस बानो के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस आदेश से भाजपा की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया है। इस आदेश के बाद जनता का न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। बहादुरी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए बिलकिस बानो को बधाई।

राहुल गांधी बोले- सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बताया अपराधियों का संरक्षक कौन है

चुनावी फायदे के लिए 'न्याय की हत्या' की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है। आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर देश को बता दिया कि 'अपराधियों का संरक्षक' कौन है। बिलकिस बानो का अथक संघर्ष, अहंकारी भाजपा सरकार के विरुद्ध न्याय की जीत का प्रतीक है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा सरकार से मांगी सुरक्षा

गेस्ट हाउस कांड को लेकर सपा पर हमला

नई दिल्ली/लखनऊ,08 जनवरी 2024 (ए)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने सोमवार की सुबह समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी दलित विरोधी है जिससे उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया है। बसपा सुप्रीमो ने इस बात को लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कई पोस्ट किए।

मायावती ने कहा कि सपा अति-पिछड़ों के साथ-साथ जबरदस्त दलित-विरोधी पार्टी भी है, हालाँकि बीएसपी ने पिछले लोकसभा आमचुनाव में सपा से गठबन्धन करके इनके दलित-विरोधी चाल, चरित्र व चेहरे को थोड़ा बदलने का प्रयास किया। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद ही सपा पुनः अपने दलित-विरोधी जातिवादी एजेण्डे पर आ गई।

बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि अब सपा मुखिया जिससे भी गठबन्धन की बात करते हैं उनकी पहली शर्त बसपा से दूरी बनाए रखने की होती है, जिसे मीडिया भी खूब प्रचारित करता है। वैसे भी सपा के 2 जून 1995 सहित घिनौने कृत्यों को देखते हुए व इनकी सरकार के दौरान जिस प्रकार से अनेकों दलित-विरोधी फैसले लिये गये हैं।

मायावती ने अपने पार्टी ऑफिस के लिए सुरक्षित स्थान की मांग करते हुए ट्वीट कर लिखा कि इस असुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा सुझाव पर पार्टी प्रमुख को अब पार्टी की अधिकतर बैठकें अपने निवास पर करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि पार्टी दफ्तर में होने वाली बड़ी बैठकों में पार्टी प्रमुख के पहुँचने पर वहाँ पुल पर सुरक्षाकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ती है।

ऐसे हालात में बीएसपी यूपी सरकार से वर्तमान पार्टी प्रदेश कार्यालय के स्थान पर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करने का भी विशेष अनुरोध करती है, वरना फिर यहाँ कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। साथ ही, दलित-विरोधी तत्वों से भी सरकार सख्ती से निपटे, पार्टी की यह भी माँग है।

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से घायल हुए बाघ की मौत चालक पर हुआ ये एक्शन

हल्द्वानी,08 जनवरी 2024 (ए)। रुद्रपुर-हल्द्वानी रोड़ पर कल एक कार की टक्कर से एक बाघ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। साथ ही कार चालक भी घायल हो गया था जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वही आज इस मामले में केंद्रीय वन प्रभाग ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही बाघ का पोस्टमॉर्टम करने के बाद वन विभाग की टीम ने शव को दफना दिया है।डीएफओ तराई केंद्रीय वन प्रभाग हिमांशु बागरी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बाघ की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल आगे की कार्रवाई जारी है।

मुकेश सिद्धार्थ ने कहा-अपने शब्द वापस नहीं लूंगा,चाहे दर्ज हों 100 मुकदमे

मेरठ ,08 जनवरी 2024 (ए)। मेरठ में सपा नेता और एससी-एसटी आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश सिद्धार्थ को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। कोर्ट से बाहर निकलकर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मैं अपने शब्द वापस नहीं लूंगा, चाहे मेरे ऊपर 100 मुकदमे दर्ज हो जाएं।

मालदीव का तगड़ा झटका

» ईजी माई ट्रिप ने सस्पेंड कीसभी फ्लाइट्स बुकिंग

» सोशल मीडिया पर ट्रेड कर रहा बॉयकाट मालदीव

नई दिल्ली, 08 जनवरी 2024 (ए)। भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद मालदीव आर्थिक मोर्चे पर बुरी तरह घिर गया है। ट्रैवेल एजेंसी ईजी माई ट्रिप ने मालदीव की सभी फ्लाइट्स बुकिंग को सस्पेंड कर दिया है।

कंपनी के को-फाउंडर निशांत पिट्टी ने सोमवार सुबह अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह निर्णय हमारे राष्ट्र के साथ एकजुटता में लिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्र के साथ एकजुटता दिखाते हुए ईजी माई ट्रिप ने मालदीव की सभी उड़ान बुकिंग निलंबित कर दी है।

उधर, मालदीव सरकार ने अपने तीन मंत्रियों माल्शा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल महजूम माजिक को सस्पेंड कर दिया गया है। इन लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा और भारत के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मालदीव सरकार ने पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों को खारिज किया। कहा कि वे मंत्रियों के अपने विचार थे। सरकार उनकी बातों का समर्थन नहीं करती है।

ट्रेंड हुआ बॉयकाट मालदीव

रविवार को सोशल मीडिया पर दिनभर 'बॉयकाट मालदीव ट्रेंड हुआ। जबकि कई भारतीयों ने कहा कि विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने मालदीव की अपनी यात्राएं रद्द कर दीं हैं। अक्षय कुमार, सलमान खान, जॉन अब्राहम और श्रद्धा कपूर, कंगना रनौत सहित कई हस्तियों ने भी मालदीव के मंत्रियों के कमेंट पर ऐतराज जताया।

उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका

मंत्री हारे,आगे निकली कांग्रेस

नई दिल्ली,08 जनवरी 2024 (ए)। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। यहां से बीजेपी के प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंर टीटी चुनाव हार चुके हैं।चौंकाने वाली बात यह है कि बीजेपी इस उपचुनाव से पहले ही टीटी को भजन लाल कैबिनेट में मंत्री बना चुकी थी। इसलिए इस चुनाव में बीजेपी का काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। कांग्रेस प्रत्याशी रूपिंदर सिंह कूनर ने सुरेंद्र पाल टीटी को 12 हजार वोटों से हरा दिया है।

बता दें कि पिछले महीने चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस उम्मीदवार और तत्कालीन विधायक गुरमीत सिंह कूनर के निधन के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया था। उसके बाद उपचुनाव की घोषणा हुई थी. कांग्रेस ने कूनर के बेटे रूपिंदर सिंह को इस सीट से मैदान में उतारा था,जो 12,570 वोटों से चुनाव हार चुके हैं. बता दें कि सुरेंद्र पाल टीटी ने आज से ठीक 10 दिन पहले 30 दिसंबर को मंत्री पद की शपथ ली थी। तब सुरेंद्र पाल सिंह टीटी को भजनलाल सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया था।

नतीजे घोषित होते ही राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कांग्रेस प्रत्याशी को जीत की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि श्रीकरणपुर में कांग्रेस प्रत्याशी रुपिन्दर सिंह कुन्नर को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह जीत स्व. गुरमीत सिंह कुन्नर के जनसेवा कार्यों को समर्पित है। श्रीकरणपुर की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के अभिमान को हराया है।

तमिलनाडु में आफत की बारिश

पानी में डूबी सड़कें, स्कूल-कॉलेजों की हुई छुट्टी

नई दिल्ली/चेन्नई,08 जनवरी 2024 (ए)। उत्तर भारत में इन दिनों सर्दी का सितम जारी है। वहीं,दक्षिण में भारी बारिश हो रही है। तमिलनाडु मे बीते कुछ दिनों से बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य में बीते दिन रविवार और आज रात को हुई भारी बारिश से हाहाकार मचा हुआ है।

कई शहरों में सड़कें पानी में डूबी गई है। कई जगह अभी भी बारिश हो रही है। राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण तमिलनाडु के कई जिलों ने सोमवार को स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की है। तमिलनाडु के कई हिस्सों, मुख्य रूप से चेन्नई में रविवार को भारी बारिश हुई, जिसके कारण यात्रियों को गंभीर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

इन जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद

भारी बारिश के कारण प्रभावित जिलों में नागपट्टिनम, किलवेलूर तालुक, विलुप्पुरम, कुड्डालोर, रानीपेट, वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई और कल्लाकुरिची शामिल हैं। इन क्षेत्रों के

जिला कलेक्टरों ने भारी वर्षा और क्षेत्र पर इसके प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया है। सरकार ने भी लोगों से अपील की है कि घरों के अंदर ही रहे।

10 जिलों में बारिश अलर्ट जारी

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक तमिलनाडु के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के राज्य के करीब दस जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आने वाले 7 दिनों तक चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम और तिरुवरूर जिलों और कराईकल क्षेत्र में बरसात होगी।

ईडी अधिकारियों पर हमले के पीछे का मास्टरमाइंड उनके इलाके में ही है

कोलकाता ,08 जनवरी 2024(ए)। तृणमूल कांग्रेस विधायक सुकुमार महता के एक बयान ने इन अटकलों को हवा दे दी है कि उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ अधिकारियों पर हमले के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड शेख शाहजहां इलाके में कहीं छिपा हो सकता है। संदेशखली विधानसभा क्षेत्र के टीएमसी विधायक सुकुमार महता ने कहा,शाहजहां भागने वाला व्यक्ति नहीं है। वह अभी भी मोहल्ले में ही है। हो सकता है कि घटना के बाद वह सामने नहीं आ रहे हों, लेकिन वह उचित समय पर सबसे आगे आएंगे।

हाल के दो घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं। पहला हाल ही में एक ऑडियो क्लिप का सामने आना है, जिसमें शाहजहां को कथित तौर पर अपने अनुयायियों से अपील करते हुए सुना गया था कि वे सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों से न डरें क्योंकि वह सही समय पर सामने आएंगे। दूसरा, ईडी ने शाहजहां के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है, इसमें आशंका है कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ विदेश, विशेषकर पड़ोसी बांग्लादेश भाग सकता है, क्योंकि भारत के साथ इसकी अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ शाहजहाँ के निवास के बहुत करीब हैं।महता ने शाहजहां के खिलाफ ईडी के लुकआउट नोटिस पर भी सवाल उठाया। ईडी जो भी दावा कर रहा है वह पूरी तरह से झूठ है। वे विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के इशारे पर काम कर रहे हैं। महता ने सवाल किया, किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने का क्या मतलब है जो अभी भी अपने इलाके में है।

आईएएस पूजा सिंघल को झटका

सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

रांची,08 जनवरी 2024 (ए)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद झारखंड की निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिल पाई। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने सोमवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख 11 मार्च मुकर्रर की है। बता दें कि पूजा सिंघल को झारखंड के खूंटी में मनरेगा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इसके पहले एजेंसी ने उनके आवास सहित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान उनके पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार के आवास से 20 करोड़ नगद बरामद किए थे।

जेल भेजे जाने के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। कोर्ट ने उन्हें पुत्री के इलाज के लिए कुछ दिनों के लिए जमानत दी थी,लेकिन बाद में उन्हें फिर सरेंडर करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद सिंघल ने 12 अप्रैल 2023 को रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सरेंडर किया था। तब से वह रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में उनके पति अभिषेक झा भी आरोपी हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अग्रिम जमानत मिली हुई है। पूजा सिंघल ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इसपर दो-तीन बार सुनवाई हुई है, लेकिन उन्हें अब तक कोई राहत नहीं मिली है।

संपादकीय

प्रभु श्रीराम के नाम पर विकास

विकास किसी भी रूप में हो,वह आम जन के लिये हितकारी ही होता है।
आज पूरी दुनिया की उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के एतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या के पुरातन वैभव व विकास कार्यों की चर्चा करते हुए रैली में यह कहा। उन्होंने कहा भारत की मिट्टी के कण-कण व जन-जन का मैं पुजारी हूं। 15 हजार 700 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास कर मोदी ने रामपथ, भक्ति पथ के निर्माण व सरयू नदी में गंदे पानी की आवक रोकने जैसी चातें भी कीं। वंदे भारत, नमो भारत व अमृत भारत ट्रेनों के संचालन की चर्चा करते हुए इस त्रिशक्ति ट्रेन को भारतीय रेल का कायाकल्प करने वाला बताया। उन्होंने बताया, तुलसीदास ने कहा था कि गरीब की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। इसलिए ये गरीब सेवा की भावना से शुरू की गई हैं। 34 वंदे भारत ट्रेनों में डेढ़ करोड़ यात्रियों द्वारा की गई यात्राओं की चर्चा करते हुए मोदी ने यात्राओं व परिक्रमाओं को भगवान व आस्था से जोड़ते हुये कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अयोध्या नगरी को धन्यधान्य से परिपूर्ण व समृद्धि के शिखर पर आनंद से भरा हुआ वताया है। ज्यों-ज्यों लोक सभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, त्यों-त्यों राम मंदिर को लेकर भाजपा की रणनीति जोर-शोर से काम करती नजर आने लगी है। यही मुद्दा है, जिसने भाजपा को दो सीटों से सीधे केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता बनाया। 14-22 जनवरी तक देश के सभी मंदिरों, धार्मिक स्थलों व तीर्थ स्थलों में स्वच्छता अभियान चलाने की बात कर मोदी गांव-गांव, कस्वों-छोटे शहरों आदि में रहने वाले देशवासियों को सीधा श्रीराम से जोड़ने का काम किया है। सरकार के इस प्रयोग पर तिलमिलाया विपक्ष अब तक इसकी कोई काट नहीं ढूंढ पाया है। वे मन्दिर को पूरे देश का कह रहे हैं और कभी भी वहां दर्शन के लिए जाने की बात कर अपनी आस्था सुनिश्चित कराने की कोशिशें भी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि सरकार बार-बार दोहराती है कि राम मन्दिर निर्माण राजनीति का विषय नहीं है और रामलला पांच सौ वर्षो से इसका इंतजार कर रहे थे। यह न सिर्फ आस्था व विश्वास से जुड़ा मुद्दा है, चल्कि इसे लगातार भावनाओं से जोड़ा जाता रहा है। यह विशाल आयोजन निःसंदेह भाजपा को बड़ा राजनीतिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही किया जा रहा है। मगर इन व्यवस्थाओं के माध्यम से तथा इसे मिल रहे प्रचार से यहां भक्तों की आमद बढ़ेगी जिसका स्थानीय लोगों/बाजारों को लाभ मिलना तय है।

मध्य वर्ग और क्रिमी भीड़ की दशा !

भारत में शिद्दत से अवसरों का तलाशता,छटपटाता एक छोटा सा मध्यवर्ग है। इसमें वे लोग हैजो सरकारी नौकरी में है या पेंशन पाते है या संगठित क्षेत्र की निजी नौकरी में है या ठीक-ठाक व्यापार कर रहा है। लेकिन इनके लिए अवसर लगातार सिमटते हुए हैं। तभी मध्य वर्ग की आबादी का एक हिस्सा किसी तरह से अमेरिका या दुनिया के किसी दूसरे सभ्य देश में वैध

या अवैध रूप से घुसने की कोशिश में है। पिछले दिनों तीन सौ भारतीयों को लेकर निकारागुआ जा रहा एक विमान फ्रांस ने रोक लिया था और जांच के बाद वहीं से लौटा दिया था। यह विमान 'डंकी रूट' का हिस्सा था, जिसके जरिए लोग अवैध तरीके से मेक्सिको और उसके बाद अमेरिका या कनाडा में घुसते हैं। उस विमान में 70 फीसदी लोग पंजाब के और 30 फीसदी गुजरात के थे।
सोचें, देश के दो अपेक्षाकृत अधिक सम्पन्न राज्य के लोग कितने बेचैन हैं? किसी भी तरह से ये किसी सभ्य व विकसित या किसी भी तरह विदेश में जाने के लिए छटपटाता हुआ है। इस खबर के बाद पता चला कि पिछले दिनों दुबई से तीन विमान निकारागुआ गए। उनमें भी बड़ी संख्या में भारतीय सवार थे।
अमेरिका में 30 लाख भारतीय हैं। इनमें एक लाख के करीब अवैध रूप से रह रहे भारतीय हैं। कितने लोग अवैध रूप से सीमा पार करने में परिवार के साथ मर गए, वह आंकड़ा अलग है। एक अच्छे जीवन की तलाश में मध्य वर्ग के लोग लाखों खर्च करके अवैध रूप से अमेरिका या यूरोप जाना चाहते हैं।
देश की आबादी में अमीरों का एक जो तीसरा वर्ग है उसके हजारों लोग हर साल भारत की नागरिता छोड़ रहे हैं। ये अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन या ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं। इसी अमीर और सरकारी या कॉरपोरेट की नौकरी या अच्छे कारोबार से जुड़ा तीन-चार करोड़ लोगों का एक वर्ग है, जो खूब खर्च कर रहा है। इनके उफाननुमा खर्च में विदेशी आयातित चीजों की भारी बिक्री है लेकिन बाकी भारतीय परिवारों का खर्च सिमटता जा रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यानी जुलाई से अक्टूबर 2023 में 7.6 फीसदी की विकास दर का जो डंका बजा है उसमें भारतीय परिवारों की खपत का हिस्सा सिर्फ 3.2 फीसदी ही बढ़ा है। यानी लोग खर्च कम कर रहे हैं। इसके बावजूद विकास दर की तेजी इस वजह से है क्योंकि जीडीपी के आकलन का फॉर्मूला सिर्फ उत्पादन से जुड़ा है। हालांकि ऐसा नहीं है कि उत्पादन भी बहुत हो रहा है। कंपनियां खर्च घटा कर या महंगाई बढ़ा कर मुनाफा कमा रही हैं। हालात यह हैं कि भारत के जीडीपी में सबसे ज्यादा योगदान करने वाले सेवा क्षेत्र की विकास दर छह फीसदी से नीचे आ गई है और सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले कृषि उत्पादन की दर सिर्फ 1.2 फीसदी पर है। फिर भी 7.6 फीसदी की विकास दर का हल्ला है। स्थिति यह है कि गेहूं, चावल, चीनी सबके निर्यात पर भारत को पाबंदी लगानी पड़ी है ताकि चुनावी साल में अनाज की कमी या उसकी कीमत को लेकर भीड़ में हाहाकार न मचे।

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

साल 2024 में भारत की कूटनीतिक चुनौतियां

ब्रिक्स में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के आवेदन को रूस पूरा समर्थन दे रहा है...

दुनिया में प्रासंगिक समूह अब जी-7 और ब्रिक्स प्लस-एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन)-ईएईयू (यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन) हैं। ब्रिक्स प्लस, एससीओ और ईएईयू में तालमेल लगातार बढ़ रहा है। इससे इनकी एक साझा पहचान उभर रही है। .ब्रिक्स में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के आवेदन को रूस पूरा समर्थन दे रहा है। चीन और ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों का समर्थन भी उसे मिलने की संभावना है। ऐसे में भारत क्या रुख अपनाता है, इससे 2024 में ब्रिक्स के साथ भारत के रिश्तों पर असर पड़ सकता है। 2024 में ब्रिक्स की मेजबानी रूस करेगा।
अगर अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में साल 2023 का लेखा-जोखा लें, तो भारत के लिए इस वर्ष का सर्वोच्च बिंदु जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा रही। साढ़े नौ वर्ष पहले सत्ता में आने के बाद से अपनी विदेश नीति में अमेरिकी धुरी से निकटता बनाना मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। जून में हुई राजकीय यात्रा का निहितार्थ यह रहा कि इस दिशा में भारत सरकार ने अपेक्षित प्रगति की है। यह धारणा बनी कि अब हर व्यावहारिक अर्थ में भारत अमेरिकी खेमे का देश बन गया है।
इस वर्ष मोदी सरकार की दूसरी बड़ी कूटनीतिक सफलता जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान साझा घोषणापत्र पर आम सहमति बना लेना रही । तमाम अनुमान यही थे कि जी-7 और रूस-चीन खेमे में बढ़ते टकराव के कारण ऐसा करना संभव नहीं होगा। लेकिन भारत सरकार ने अपने कूटनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर पश्चिमी देशों को साझा घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का उल्लेख ना करने पर राजी कर लिया।
शिखर सम्मेलन से ठीक पहले तक अमेरिका और उसके साथी देश साझा घोषणापत्र में यूक्रेन पर हमले के लिए रूस की दो टूक निंदा शामिल करवाने पर अड़े नजर आ रहे थे।
उधर रूस के साथ-साथ चीन भी इसके लिए तैयार नहीं था।
मौजूदा भू-राजनीति के बीच यह ऐसी खाई है, जिसे पाटना आसान नहीं था। लेकिन करिश्माई ढंग से मोदी सरकार पश्चिमी देशों को झुकाने में सफल हो गई। नतीजा हुआ कि नई दिल्ली घोषणापत्र जारी हुआ।
वैसे भारत में प्रचारित आम कथानक में जी-20 की मेजबानी करने को ही बड़ी सफलता बताया गया है। लेकिन हकीकत यह है कि भारत को यह मेजबानी रोटेशन के आधार पर मिली। भारत इस समूह का सदस्य है, तो इसकी शिखर बैठक की मेजबानी का मौका मिलना एक स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है। इसलिए इसे वर्तमान सरकार की सफलता बताना यथार्थ को तोड़-मरोड़ कर पेश करना है।
वैसे भी यह समूह अब अपनी प्रासंगिकता खो रहा है-या कहें काफी हद तक खो चुका है। दो खेमों में बंटती दुनिया के बीच इस समूह के अंदर कोई प्रभावी सहमति बनना या वैश्विक समस्याओं के हल के लिए इस समूह की तरफ से कोई सार्थक हस्तक्षेप हो पाना लगातार कठिन होता जा रहा है।
दुनिया में प्रासंगिक समूह अब जी-7 और ब्रिक्स प्लस-एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन)-ईएईयू (यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन) हैं। ब्रिक्स प्लस, एससीओ और ईएईयू में तालमेल लगातार बढ़ रहा है। इससे इनकी एक साझा पहचान उभर रही है। इस लिहाज से 2023 में भारत के लिए एक बड़ा मौका एससीओ की मेजबानी का भी था। लेकिन जुलाई में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन करने का एकतरफा फैसला कर भारत ने इसमें अपनी घटती दिलचस्पी का संकेत दिया। या कम-से-कम यह संकेत तो जरूर

दिया कि उसकी नजर में यह समूह उतना अहम नहीं है, जितना जी-20 है। स्पष्टतः इसे गलत जगह दांव लगाने की एक मिसाल माना जाएगा।
भारत के इस नजरिए का नतीजा यह हुआ कि एससीओ शिखर बैठक के बाद जारी हुए साझा घोषणापत्र में भारत की भावनाओं का ख्याल नहीं किया गया। उसमें चीन के बहुचर्चित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की सराहना की गई। चूंकि भारत को इस पर एतराज था, इसलिए यह दर्ज कर लिया गया कि जो बात कही गई है, उससे भारत असहमत है। मगर यह गौरतलब है कि बीआरआई के पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर से गुजरने के कारण इससे भारत की बुनियादी आपत्ति है।
उधर एससीओ में जो हुआ, उससे इस वर्ष अगस्त में आयोजित हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत के संभावित रुख को लेकर संदेह और सघन हो गए थे। लेकिन ऐसे अनुमान दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान निराधार साबित हुए। प्रधानमंत्री मोदी जोहानेसबर्ग गए। वहां उन्होंने ब्रिक्स के विस्तार और ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच भुगतान की डॉलर मुक्त व्यवस्था बनाने के प्रस्तावों को अपना पूरा समर्थन दिया। जबकि इसके पहले तक कयास थे कि भारत का इन बिंदुओं पर बाकी ब्रिक्स देशों से मतभेद है।
इसके बाद सितंबर में जी-20 का शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ। हालांकि कूटनीति विशेषज्ञों की नजर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के ना आने से इस से इस सम्मेलन की कुछ चमक कम हो गई थी, लेकिन भारतीय आवाम- खासकर अपने समर्थक तबकों के बीच मोदी सरकार इसकी मेजबानी को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करने में कामयाब रही। चूंकि औपनिवेशिक और साम्राज्यवादी प्रभाव के कारण आम भारतीय मानस में पश्चिमी देशों को श्रेष्ठ मानने का एक खास खास भाव बैठा हुआ है, इसलिए अमेरिका, ब्रिटेन आदि जैसे देशों के नेताओं की एक साथ उपस्थिति को मोदी राज में कथित रूप से भारत के बढ़ते प्रभाव के रूप में पेश करना सत्ता पक्ष के लिए आसान हो गया।
लेकिन इस सम्मेलन की समाप्ति के हफ्ते भर के अंदर उन्हीं पश्चिमी देशों से भारत की प्रतिष्ठा पर अभूतपूर्व प्रहार हुआ। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपनी संसद में खड़े होकर भारत पर आरोप लगाया कि भारत सरकार कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कराने में शामिल है। वह कनाडाई नागरिक खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर था, जिसका नाम भारत में वांछित अपराधियों की लिस्ट में था। अमेरिका ने तुरंत यह स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में वह कनाडा के साथ है। इस प्रकरण में एक के बाद एक आई खबरों ने भारत की बनी कथित प्रतिष्ठा पर गहरी छाया डाल दी।

कनाडा के आरोप का मतलब है...

भारत एक उच्छृंखल देश है,जो अंतरराष्ट्रीय कायदों को नहीं मानता और दूसरे देशों में हत्या कराने जैसे कार्यों में शामिल होता है।
कनाडा ने इस बारे में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए हैं। लेकिन अमेरिका में एक ऐसे ही मामले में अभियोग दायर कर दिया गया है। उस मामले में इल्जाम है कि एक भारतीय अधिकारी ने अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखने वाले खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या कराने की योजना बनाई, जिसके लिए एक आपराधिक छवि के व्यक्ति (निखिल गुप्ता) को राजी किया गया, और गुप्ता ने इसके लिए सुपारी अमेरिका में एक ऐसे व्यक्ति को दी, जो अमेरिकी जांच एजेंसियों का जासूस निकला। भारत सरकार ने इस आरोप की जांच कराने का एलान किया है।
मगर कनाडा और अमेरिका के आरोपों पर अलग-अलग रुख अपनाने से भारत सरकार के नजरिए पर सवाल उठे हैं। कनाडा के मामले में भारत सरकार की प्रतिक्रिया आक्रामक रही। लेकिन अमेरिका के मामले में प्रतिक्रिया बिल्कुल उलटी नजर आई। इससे यह सवाल उठा कि क्या यह अंतर दोनों देशों की ताकत में अंतर को देखते हुए है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि कनाडा ने कोई सबूत नहीं दिया, जबकि अमेरिका ने दिया है, इसलिए रुख में यह अंतर है। लेकिन ये बात आसानी से गले नहीं उतरती।
इस प्रकरण ने जी-20 शिखर सम्मेलन की 'सफल' मेजबानी के आधार पर बनाए गए माहौल को काफी हद तक धूमिल कर दिया। वैसे भी जी-20 की 'सफल' मेजबानी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रभाव की सीमित झलक ही थी। पूर्व राजनयिक विवेक काटजू ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में इस पहलू का सटीक वर्णन किया। उन्होंने लिखा- 'चूंकि भारत अपने को ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के नेता के रूप में पेश कर रहा है, इसलिए उसे घटनाओं के प्रति सचेत रहना चाहिए- ऐसी घटनाएं जो अनिवार्य रूप से हाई टेबल पर नहीं होतीं।' उन्होंने लिखा-'देशों के बारे में राय सिर्फ उनके बड़े कदमों से नहीं बनती है, बल्कि उनके नागरिकों से संबंधित छोटे मामलों से या कानूनों को तोड़ने जैसी घटनाओं से भी बनती है। अक्सर उनके बारे में राय ऐसे मामलों से भी उतनी ही निर्धारित होती है, जितनी बड़े तेवरों और स्पष्ट वक्तव्यों से बनती है।'

ऐसी छोटी घटनाओं के तौर पर तीन प्रकरणों का जिक्र किया है:

इस वर्ष नवंबर में यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड के उपाध्यक्ष के चुनाव में पाकिस्तान ने भारत को 38-18 वोटों के अंतर से हरा दिया। पाकिस्तान को भारत से 20 अधिक देशों का समर्थन मिलना सचमुच भारत की प्रतिष्ठा के लिए एक झटका था।
काटजू ने इस बात का उल्लेख किया है कि पुरुलिया में हथियार गिराने के कांड के मुख्य अभियुक्त किम डेवी को भारत के हाथ सौंपने से इनकार कर रखा है। जबकि इटली के उन दो नौ सैनिकों को मोदी सरकार ने इटली को सौंप दिया था, जिन पर भारतीय समुद्री जल क्षेत्र में दो भारतीयों की हत्या करने का आरोप था। इस क्रम में कतर में आठ पूर्व भारतीय नौ सैनिकों को हुई सजा का जिक्र भी किया जा सकता है, जिनकी सजा-ए-मौत तो माफ कर दी गई है, लेकिन विभिन्न अवधियों की कैद की सजा उन्हें सुनाई गई है। क्या भारत सरकार उन सबको वापस भारत ला पाएगी?
प्रश्न यह है कि अगर घटनाएं इस रूप में हो रही हैं, तो भारत का दुनिया में कितना और किस प्रकार का प्रभाव बना है?
ग्लोबल साउथ आज ब्रिक्स-एससीओ-ईएईयू जैसे मंचों के जरिए नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को तय करने में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है। भारत की उपस्थिति इन मंचों पर है, लेकिन प्रश्न है कि क्या यहां उसकी नेतृत्वकारी भूमिका है?
भारत इन मंचों और जी-7 के साथ अपने गहराते रिश्तों को लेकर एक साथ दो नावों पर चलता दिख रहा है। इस कारण उसके लिए स्पष्ट रुख अपना पाना कठिन होता गया है। निज्जर-पन्नू प्रकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि साम्राज्यवादी खेमा अपने समकक्ष भारत को वह स्थान देने को तैयार नहीं है, जिसकी भारत अपेक्षा रखता है। बल्कि उन देशों के नजरिए से यह साफ है कि उनके लिए भारत की उपयोगिता सिर्फ यह है कि गहराते वैश्विक ध्रुवीकरण में चीन के खिलाफ उनकी लामबंदी में वह अग्रणी भूमिका ले।
उधर ग्लोबल साउथ में भारत की पश्चिम से निकटता एक संशय का विषय बनी हुई है। इजराइल-फिलस्तीन युद्ध में गजा में जारी इजराइली नरसंहार के बीच भारत के रुख से इस समूह में और विपरीत प्रतिक्रिया हुई है। ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने इस प्रश्न पर ब्रिक्स की ऑनलाइन शिखर बैठक आयोजित की, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसमें भाग नहीं लिया। उस बैठक में दो टूक लहजे में इजराइली नरसंहार की निंदा की गई और फिलस्तीनियों के अधिकार के प्रति समर्थन जताया गया। जबकि मोदी सरकार ने लड़ाई के आरंभ से ही इजराइल को पूरा समर्थन दे रखा है। स्पष्टतः ऐसे रुख के साथ ग्लोबल साउथ में सद्भाव हासिल करना और कठिन हो गया है।
दोनों तरफ दांव रखने और हर तरफ से फायदा उठाने की भारतीय विदेश नीति 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद बनी परिस्थितियों में एक हद तक कारगर होती नजर आई थी। तब भारत ने रूस की निंदा ना कर ग्लोबल साउथ में अपने लिए सकारात्मक भावना बनाई थी। लेकिन 2023 में इजराइल की निंदा ना कर भारत ने वह सद्भाव गंवा दिया है। उधर निज्जर-पन्नू मामलों के सामने आने के बाद पश्चिम में भी उसकी वह स्थिति नजर नहीं आती, तो इस वर्ष जून-जुलाई तक आ रही थी।
इस बीच ग्लोबल साउथ के नेता बन कर उभरे रूस और चीन के साथ भारत के संबंध भी चर्चा में हैं। चीन के साथ तो भारत का दुराव बढ़ता ही जा रहा है। 2020 से रिश्तों में गिरावट का शुरू हुआ सिलसिला किस मुकाम तक जाएगा, अभी अनुमान लगाना कठिन है। इस बीच रूस के साथ संबंध की स्थिति भी सवालों के घेरे में आ गई है। रूस के साथ लगातार दूसरे वर्ष हर साल के अंत में होने वाली शिखर वार्ता नहीं हुई। इस मौके पर प्रधानमंत्री की जगह विदेश मंत्री जयशंकर मास्को गए। उनकी यात्रा के दौरान अनेक कर्णप्रिय बातें कही गई,लेकिन शिखर वार्ता का ना होना अपने-आप में इन दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ी दूरी का सूचक बनी है। इस बीच ऐसे संकेत हैं कि ब्रिक्स में शामिल होने के लिए पाकिस्तान के आवेदन को रूस पूरा समर्थन दे रहा है। चीन और ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों का समर्थन भी उसे मिलने की संभावना है। ऐसे में भारत क्या रुख अपनाता है, इससे 2024 में ब्रिक्स के साथ भारत के रिश्तों पर असर पड़ सकता है। 2024 में ब्रिक्स की मेजबानी रूस करेगा।
तो निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि 2023 भारतीय विदेश नीति के लिए कठिन वर्ष साबित हुआ। इसमें एक (या अधिकतम दो) हाई प्वाइंट के साथ अनेक लो (निम्न) प्वाइंट्स से उसे गुजरना पड़ा है। अगर इससे सबक लेकर 2024 में भारत सरकार ने मौजूदा वैश्विक ध्रुवीकरण और उभरती चुनौतियों के प्रति स्पष्ट रुख तय नहीं किया, तो यह संकट और गंभीर रूप ले सकता है। तब भारत के लिए वैश्विक समीकरणों में अलग-थलग पड़ने का खतरा अधिक ठोस रूप ले लेगा।

-सत्येन्द्र रंजन-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जबरदस्त रौनक से सजा प्रभा श्री-काव्य गोष्ठी मंच

वाराणसी(काशी)08 जनवरी 2024। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन (काशी) के संयुक्त तत्वावधान में पूरी भव्यता के साथ एक और कवि सम्मेलन संपन्न हुआ। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार राजसागर, संस्कार प्रभा की निदेशक प्रख्यात साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती (मुंबई) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन की निदेशक जानी मानी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) के संयुक्त प्रयासों से हर रविवार को होने वाले ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश के ही नहीं अपितु विदेशों से भी अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकारों का प्रतिभाग रहा करता है। साथ ही नवांकुरों को मंच प्रदान कर उनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने का भी कार्य किया जाता है। इस सप्ताह कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के नाम नौफ़िल आर्या (मुंबई), पूनम ज़ाकिर (आगरा), विकास सोनी (सतना), वंदना श्रीवास्तव (लखनऊ) सभी ने अपनी अप्रतिम रचनाओं से अद्भुत काव्य की धारा बहायी। सबने भावुकता के साथ (कीर्तिशेष) पुष्पा अवस्थी स्वाती जी को काव्य के श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विविध विधाओं में सभी ने विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ किया। साथ ही साथ सभी ने एक स्वर में प्रभा श्री के इस अद्भुत अनवरत मंच की भूरी-भूरी प्रशंसा की । मंच की श्रेष्ठ और सफलतम संचालिका कोकिलकंठी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) की रचना के

उपरांत माहौल अप्रतिम रूप से मंत्रमुग्ध करने लगा। दर्शक दीर्घा से संजीव गौतम (आगरा), जयकृष्ण चांडक (हरदा), सुधांशु यादव (आगरा) ने अपनी रचनाओं से मंच सुसज्जित किया। मुंबई की जानी मानी वरिष्ठ साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती के बहुमूल्य आशीर्वचन की छत्रछाया में उनके उद्देश्य को पूरित करने का लक्ष्य लिए हुए प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) ने बताया कि विगत चार वर्षों में सौ किताबें प्रकाशित की जा चुकीं, तथा मंच पर 10 हज़ार से अधिक रचनाकार प्रतिभाग करते हुए सम्मानित हो चुके। यह मंच पूर्णतः उनके पिता स्वश प्रभा शंकर अवस्थी जी एवं माँ स्वाती जी को समर्पित है। प्रभा श्री ग्रूप के अंतर्गत सभी कार्य उनकी स्मृति में उन्हीं की प्रेरणा से आयोजित किये जाते हैं, प्रभा श्री की प्रभा अंधेरों से उजालों की ओर बढ़ने को प्रेरित करती है, नकारात्मकता में भी सकारात्मकता का प्रसार करती है। इसी प्रकार तालियों के बीच प्रियंका गीत के ही द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह मंच साप्ताहिक है, प्रतिभाग करने के इच्छुक कवि प्रियंका गीत जी से संपर्क कर सकते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

शख्सियत...

बिंझवार समाज के प्रेरक विंध्यवासिनी पुत्र रामलाल बरिहा

लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल
कोसीर सारंगढ़, छत्तीसगढ़

महापुरुषों का जीवन अनुकरणीय माना गया है। किंतु देखने में यह आता है कि आपा धापी से भरे इस संसार में जो लोग साधन - संपन्न होते हैं तथा पद ,विद्या और धन की दृष्टि से सामर्थ्यवान होते हैं वे भी व्यवहार में व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए देश समाज और संस्कृति की ओर से आंख फेल लेते हैं।
सोनाखान के वीर सपूत शहीद वीर नारायण सिंह के जीवन से ओत - प्रोत ऐसे शख्स जो बिंझवार समाज में जन्मा और शिक्षक बनकर समाज के लिए प्रेरक बनकर समाज को एक सूत्र में पिरोकर समाज में एकता का अलख जगा रहे हैं अपने
असंगठित समाज को जोड़कर नव जागृति का संदेश दे रहे हैं ।
सारंगढ़ अंचल के ग्राम सालार में जन्मे रामलाल बरिहा का जन्म जनजाति बिंझवार समाज में 07 जनवरी 1952 को हुआ । वे एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं उनके पिता का नाम स्वर्गीय भागीरथी बरिहा माता का नाम स्वर्गीय श्रीमती जगतीमति बरिहा है ।
राम लाल बरिहा अंग्रेजी में एम ए कर 1973 में शिक्षक बने ।2014 में सेवानिवृत हुए ।
रामलाल बरिहा के जीवन में शहीद वीर नारायण सिंह के जीवन से प्रभावित रहे हैं। अपने शिक्षकीय कार्य के साथ-साथ समाज को संगठित करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे ।बिंझवार समाज में फैली कुरीतियों को लेकर अंधविश्वासियों को दूर करने समाज के प्रति सजग रहे ।वे अपने जीवन के 71 वें बसंत मना चुके हैं और 72 वर्ष के हैं उन्होंने सारंगढ़ और आसपास के अपने बिंझवार समाज में प्रेरक का कार्य कर रहे हैं ।
रामलाल बरिहा ने अपने समाज को संगठित करने के लिए 2016 में विंध्यवासिनी पुत्र बिंझवार नाम पुस्तक लिखकर अपने समाज को संगठित करने का प्रयास किया और समाज को जोडे वहीं वे लगातार समाज को जोड़ने का प्रयास करते रहे हैं वही सारंगढ़ मुख्यालय के ग्राम कनकबीरा में अपने कुलदेवी विंध्यवासिनी देवी की मंदिर निर्माण कर लोगों को एक सूत्र में भी पिरोए । आज उनकी यह प्रयास समाज के लिए प्रेरक के रूप में जानी जा रही है ।बिंझवार समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए उन्होंने उनके छोटे पुत्र आनंद बरिहा ने अपने पिता के साथ कदम से कदम मिलाकर उनका साथ दिए। रामलाल बरिहा अब थक गए हैं लकवे के शिकार हैं फिर भी समाज के प्रति उनका सेवा भाव जारी है बिंझवार समाज में आज उन्हें प्रेरक पुरुष के रूप में लोग जानते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आ रहे प्रिय राम

बयार रामनाम की चल चुकी,
सभी इसका हिस्सा बन लो।
प्राण प्रतिष्ठा की घड़ी नजदीक,
अपने अंदर के राम को पढ़ लो।
सरयू आह्लादित,दीपक भी धन्य होने
को आतुर,हनुमत हरषें ,
सुन राम नाम की आवाज,
इतनी बुलन्द कर लो ।
गेह को तोरण से सजाकर ,
आँगन के मन्दिर में दीप जलाकर,
तमस हृदय का दूर कर लो ।
अपने अंदर के राम को पढ़ लो,
चर्चा मंच पर विराजमान रहो।
राम का भजन, राम राम में रहो,
धन्य अपना मानुष तन कर लो।
अवधेश के दर्शन से तर लो,
कोई शब्द छूट ना पाये,
हर भाव से नाम बस राम का आये,
दसो दिशाओ में डिडोरा पीट दो ,
आ रहे प्रिय राम,चलो धन्य हो लो।

प्रतिभा पाण्डेय प्रति
चेन्नई,तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जब लक्ष्य हो सीने में

जब लक्ष्य रहेगा सीने में
न तकलीफ न संघर्ष
फिर क्या मजा जीने में
मंजिल जरूर मिलेगा
जब लक्ष्य रहेगा सीने में।
न कोई तड़प न जूनून
फिर क्या मजा जीने में
तूफान भी थम जाएगा
जब लक्ष्य रहेगा सीने में।
किस्मत जरूर बदलेगा
जब तू नहाएगा पसीने में
ख्वाब जरूर पूरा होगा
जब लक्ष्य रहेगा सीने में।
जब पानी साफ न हो तो
फिर क्या मजा पीने में
सफलता कदम चूमेगा
जब लक्ष्य रहेगा सीने में।
हौसला और विश्वास रखो
अपने दिल के नगीने मे
सपना जरूर सच होगा
जब लक्ष्य रहेगा सीने में।

श्याम सुंदर साहू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

शब्द भेद की बाण?

बोल बोल कर बूढ़ी बाते,
अब शरीर मे नही है जान।
अंत शब्द की भेदी बाणे,
शब्द भेद का ले ज्ञान।
जीवन है इक राज कथानक,
मुख मधुर या विष की पान।
मौन अधर या छैल छबीला,
तुम अमृत,मै विष की खान।
सत्य झूठ की बात कहां अब,
मन भाषा की क्या पहचान।
ग्रास रही है विकट वेदना,
कैसे बचेगी अब ये जान।
अंधेरो की भूख मिटाने,
छेड़े आदम सुर की तान।
जरा भूख की लालसा मन को,
नियत उलट करे अभिमान।
कोई अपना फर्ज में लिपटे,
कोई बन जाता बेईमान।
लचारी की पर्दे बुनते,
बूढ़ी हो गई देख ईमान।
सहज हो गयी भाषा मुख पर,
कोई तो करे इसका निदान।
भटक गए पथ इंसा की देहली,
पग आदम की पड़े निशान।
अंजुम लुप्त हुई व्योम में,
करे तमाशा अधम पहचान।
शिरोमणि की ताज है धारण,
शेर की खाल में है इंसान।
मैं भी नही कोई दूध का धुला,
रहा सोचता करे कोई गुणगान।
मन भी बावला तन भी बावला,
कौन करे अब इसका सम्मान।
जब अंदर का दीप जले तब,
मन साहस होता बलवान।
इक नदी में शेर है हिरन
घट घट नीर करे रस पान ।
समझ मन में दस्तक देती,
कली से सत का हो सम्मान।
बोल बोल कर बूढ़ी बाते,
अब शरीर मे नही है जान।
अंत शब्द की भेदी बाणे,
शब्द भेद का ले ज्ञान।

दिव्यानंद पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

विरासत के रूप में खाली खजाना,लेकिन किसानों को एक-मुश्त अंतर की राशि देंगे : विष्णु देव साय

आयोजित संभाग स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार गठन के बाद पहली बार सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के पीजी कॉलेज स्थित हॉकी मैदान में आयोजित संभाग स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरगुजा संभाग के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी 14 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दिलाकर कांग्रेस मुक्त सरगुजा कर दिया है। आजादी के बाद पहली बार हम कांग्रेस का अभेद किला कहे जाने वाला सीतापुर सीट भी जीते,सभी कार्यकर्ताओं का आभार। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रभारी ओम माथुर का आभार जताते हुए कहा कि वह भाजपा संगठन के शिल्पी हैं, जहां भी वह प्रभार में रहते हैं वहां सरकार बनती है। कांग्रेस ओवर कॉन्फिडेंस में थी हमें अपने आगे गिन ही नहीं रहे थे लेकिन इसी बीच ओम माथुर आए और कहां निश्चित ही भाजपा की सरकार बनेगी।जब वह बोलते थे तो विश्वास कम होता था कैसे सरकार बनेगी लेकिन घूम-घूम कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा लाए और टीम बनाकर काम किया जिसके चलते हमें जीत हासिल हुई। श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य बड़े नेताओं को छत्तीसगढ़ में जीत दिलाने का श्रेय दिया।

साय ने आगे कहा कि मात्र 25 दिनों में ही भाजपा सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं,जो वादा किया था पूरा करना प्रारंभ कर दिया गया है। भाजपा की सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख आवास स्वीकृति का निर्णय दिया गया।किसानो को 2 साल का बोनस 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए 12 लाख से अधिक किसानों को 3716 करोड रुपए ट्रांसफर किया गया।पीएससी घोटाले की जांच की बात प्रधानमंत्री ने कही थी हमने जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया है,अब इसमें सख्ती से कार्रवाई होगी।3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी करना शुरू हो गया है,महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को 12000 रूपए प्रतिवर्ष देने का वादा किया था उसका भी कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। तेंदूपत्ता की खरीदी सीजन में वादे के अनुसार होगी,एक-एक वादा 5 साल में पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत के रूप में हमें खाली खजाना मिला है लेकिन हम किसानों को एक-मुश्त अंतर की राशि देंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को कहा कि विधानसभा के बाद अब लोकसभा चुनाव की बारी है, सभी 11 सीट जीताकर देना है।इसके लिए कार्यकर्ता संकल्प लें और अभी से जी जान लगाकर एक-एक बूथ तक पहुंच कर सभी सीटों पर विजयी दिलाने जुट जाए।

इस पृथ्वी पर जब भी संकट आया है विष्णु ने ही उबारा है

कार्यकर्ता सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन प्रभारी ओम प्रकाश माथुर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सबको नमन,मेरी लाज रखी। आप सभी देवतुल्य कार्यकर्ता प्रणाम के पात्र हैं।श्री माथुर ने मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्री व विधायकों से खड़े करवाकर कार्यकर्ताओं को प्रणाम कराया श्री माथुर ने कहा कि पहली बार सरगुजा में 14 सीट और छत्तीसगढ़ में 54 सीट भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जिताया है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मजाक उड़ाते थे तब मैंने उनसे कहा था कि दौड़ लगा दीजिए पीछे रहा तो बात करना। मेरी दौड़ लाखों कार्यकर्ताओं की दौड़ है,और इस दौड़ में हम जीत दर्ज किए। माथुर ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ को पूर्व की कांग्रेस सरकार ने पूरी तरह से संकट में डाल दिया था। पृथ्वी पर जब भी संकट आया था भगवान विष्णु ने उससे उबारने का काम किया था, इसी तरह छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री विष्णु देव यहां की जनता को संकट से उबारेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करेंगे।माथुर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि मैं ना सोऊंगा ना आपको सोने दूंगा,मैं थकुंगा ना आपको थकने दूंगा।हमें छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीट जीतने के लिए काम करना है,कोई भी कार्यकर्ता अपने बूथ से नहीं हटेगा,सभी अपने बूथ में काम करेंगे। माथुर ने सभी कार्यकर्ताओं से हाथ खड़े करा आप जितवांगे ना, 11 कमल का फूल यहां से दिल्ली भेजेंगे ना भरोसा दिलाइए की बात कही,जिस पर एक स्वर में हजारों कार्यकर्ताओं ने हामी भरी। कार्यकर्ता सम्मेलन को उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा,कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, संभागीय संगठन प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन सूरज पुर जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने किया। सम्मेलन में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, प्रबोध मिंज, गोमती साय, रामकुमार टोप्पो, रायमुनी भगत, उद्धेश्वरी पैंकरा, शकुंतला सिंह पोर्ते, भूलन सिंह मरावी सहित भैय्या लाल राजवाड़े, सिद्धनाथ पैकरा, सरगुजा भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,,बलरामपुर भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल सहित हजारों भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

रामकुमार ने हाथी को मार दिया

कार्यकर्ता सम्मेलन में ओम माथुर ने कहा कि सरगुजा में सीतापुर विधानसभा सीट जिसे हम आजादी के बाद से नहीं जीते थे वीआरएस लेकर आए रामकुमार टोप्पो ने यहां धमाकेदार जीत हासिल करते हुए हाथी को मार दिया। श्री माथुर ने कहा कि सरगुजा में बड़े-बड़े सुरमा निपट गए यह सब कार्यकर्ताओं की बदौलत हुआ। भाजपा की ताकत कार्यकर्ता ही है इन्हीं के दम पर भाजपा जीती है मैं इनको नमन और प्रणाम करता हूं।

हमने बिना मांगे मुख्यमंत्री दिया

प्रभारी श्री माथुर ने कहा कि एक ने ढाई-ढाई साल में धोखा दिया हमने सरगुजा के लाल को मुख्यमंत्री बनाया।उन्होंने कहा कि एक पहले था जो समझौता करके 5 साल बैठ गया और माफी मांगता रहा।दुसरे ने ढाई ढाई साल के नाम पर धोखा दिया। हमने सरगुजा के लाल को मुख्यमंत्री बनकर आपके बीच खड़ा किया।

11 लोकसभा सीट जीताकर देना है

कार्यकर्ता सम्मेलन को छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सरगुजा की सभी 14 सीट जीताने वाले कार्यकर्ताओं को मेरा नमन है। छत्तीसगढ़ को अत्याचार, भ्रष्टाचार, अनाचार का गढ़ कांग्रेस सरकार ने बना दिया था।केंद्र की योजनाओं को 5 साल तक रोक के रखा था,हमारे कार्यकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर कहा हम इसे पूरा करेंगे,2 वर्ष की बोनस राशि देंगे और कई भरोसा जनता को दिलाया। कार्यकर्ताओं और मोदी जी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ता यही ऊर्जा,कर्मठता,निष्ठा लगातार बनाए रखिए अभी कुछ महीने बाद लोकसभा चुनाव आने को है।हमे छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीट जीताकर देना है यह प्रण हम सभी को लेना है,बड़ी मार्जिन से जिताकर दिल्ली में हम छत्तीसगढ़ से अपना सांसद भेजेंगे।

कांग्रेस नेताओं के संरक्षण के कारण महामाया पहाड़ से नहीं हट सका अतिक्रमण,सीएम से शिकायत

शहर के महामया पहाड़ पर अतिक्रमित व्यक्तियों को बेदखली की कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा नेता आलोक दुबे ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि कांग्रेस सरकार के समय अम्बिकापुर शहर से लगे वन संरक्षित क्षेत्र कक्ष क्रमांक आरएफ 2582 में कांग्रेस नेताओं के संरक्षण में एवं कांग्रेस नेताओं के बोट बैंक के राजनीति के लिए संरक्षित वन क्षेत्र में दूसरें प्रान्त से आकर वन क्षेत्र में लगातार कब्जा कर रहें हैं। जिससें यहां का सामाजिक ताना बाना भी प्रभावित हो रहा है एवं क्षेत्र की हरियाली भी बहुत तेजी से नष्ट हो रही है।

अम्बिकापुर शहर से लगें वन संरक्षित क्षेत्र महामाया पहाड़ में जिला प्रशासन एवं वन विभाग की जांच टीम द्वारा जांच करा कर यह तथ्य प्रमाणित पाया गया है। कि कक्ष कमांक 2581, 2582 जो खैरबार, बधियाचुआं एवं नवागढ़ क्षेत्र का हिस्सा है। जिसमें अवैध रुप से 468 लोग बिना वन विभाग एवं बिना शासन के अनुमति, बिना वैध दस्तावैज के निवास कर रहें हैं। इस संबंध मे प्रथम चरण में वन मंडलाधिकारी सरगुजा ने 60 लोगों को अतिक्रमण को हटाने के लिए इन अतिक्रमणकारियों को नोटिस दे दिया गया था। इसके बाद भी ये लोग अपना अतिक्रमण नहीं हटाए हैं। भाजपा नेता आलोक दुबे ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर उक्त भूमि से अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु कलेक्टर सरगुजा को निर्देशित करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पत्रकार के साथ मारपीट,थाने में हुई शिकायत

-संवाददाता-

अंबिकापुर, 08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एक दिवसीय सरगुजा दौरे पर पहुंचे थे। जहां सरगुजा संभाग के भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस दौरान कार्यक्रम खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा मीडिया से चर्चा किया जाना था। इसके लिए बाकायदा पत्रकारों के लिए स्टेज बनाया गया था। इसी दौरान जी मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के संवाददाता सुशील कुमार बखला द्वारा भाजपा के पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल उर्फ अज्जू को स्टेज के बगल से हटने को कहा गया। इतने में कुछ समझ पता कि सूरजपुर जिले के पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष द्वारा मारपीट करना शुरू कर दिया और गंदी-गंदी गालियां देने लगा साथ ही उनके साथ रहे लोगों द्वारा भी मार पीट किया गया। जिसकी शिकायत जी मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के संवाददाता ने गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। वहीं पुलिस पूरे मामले में जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।

मुख्यमंत्री के सामने पत्रकारों की पिटाई और उनके कपड़े उतरवाने की घटना निंदनीयःकांग्रेस

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सामने पत्रकारों की पिटाई और उनके कपड़े उतरवाने की घटना की कांग्रेस ने कड़ी निंदा की है।यह लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पर हमला है।भाजपा के फासीवादी चेहरा फिर से उजागर हुआ है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि सरकार में आते ही भाजपाइयों ने गुंडागर्दी दिखाना शुरू कर दिया। अराजक हो चुके भाजपाइयों ने अपने मुख्यमंत्री की भी परवाह नहीं की।आदिवासी मुख्यमंत्री की बाइट लेने की तैयारी कर रहे आदिवासी पत्रकार पर मंच के पास ही हमला कर दिया।मुख्यमंत्री और मंत्री, संगठन के पदाधिकारी समेत पुलिस और प्रशासन के तमाम अफसर मूक दर्शक बने देखते रहे।कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है।कार्यक्रम के शुरू से ही भाजपा कार्यकर्ता प्रशासन के साथ मिलकर काला कपड़ा पहन कर आने वाले लोगों को सभा स्थल में जाने से रोक रहे थे। काले रंग का स्वेटर जैकेट पहने पत्रकारों को कार्यक्रम में जाने नहीं दिया जा रहा था। भाजपा की सभा में कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी नकली लाल किले से भाषण देने आए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भी काले कपड़े पहन कर आये लोगो को अंदर नही जाने दिया गया था।महिलाओ को भी नहीं बख्शा गया था। सरगुजा संभाग से पहले मुख्यमंत्री की सरगुजा में जिले में पहली ही सभा इस तरह की घटना से सरगुजा शर्मसार हुआ है।

अस्पतालों में मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और सेवा भाव से करें इलाज : स्वास्थ्य मंत्री

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सोमवार को सरगुजा पहुंचे। यहां उन्होंने जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने भर्ती से मरीजों से बात की और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी सीधे मरीजों से ली। उन्होंने ओपीडी पंजीयन काउंटर,आईसीयू, ट्रॉमा सेंटर, सहित विभिन्न विभागों का भी निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया जहां उन्होंने मेडिकल के छात्र छात्राओं से मेडिकल लैब में सीधे मुलाकात की और पढ़ाई के संबंध में चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और चिकित्सालय प्रबंधन की बैठक ली। बैठक में डीन मेडिकल कॉलेज डॉ रमणेश मूर्ति,संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ पीएस सिसोदिया और सीएमएचओ डॉ आरएन गुप्ता ने जिले में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं,संसाधनों की उपलब्धता, कोविड प्रबंधन की तैयारी और मानव संसाधन की जानकारी दी। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि चिकित्सालयों में स्वच्छता सुनिश्चित करें, इसके लिए शौचालयों में आवश्यक सुधार,पानी को व्यवस्था, तथा अनावश्यक या खराब सामग्री को परिसर से हटाएं। जिससे आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल परिसर में अच्छी अनुभूति हो। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से दवाइयों की आपूर्ति के पायलट प्रोजेक्ट हेतु सरगुजा के चयन हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉक्टरों और नर्सों को संबोधित करते हुए कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार रखें जिससे उन्हें और उनके परिजनों को बेहतर वातावरण मिले। सेवा भाव के साथ मरीजों का इलाज करें। उन्होंने कहा कि आपात ड्यूटी पर कार्यरत डॉक्टर एवं नर्स निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें जिससे मरीजों को किसी तरह की असुविधा या परेशानी ना हो। बैठक के दौरान अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल,लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज,सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो सहित जनप्रतिनिधि एवं चिकित्सकीय टीम मौजूद रही।

ओड़िशा से पैदल यात्रा कर अयोध्या के लिए निकला राम भक्त मनोज

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। अयोध्या में श्री रामलला की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके लेकर पूरे देश में उत्साह का माहोल है। राम भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। ओड़िशा का एक राम भक्त पैदल अयोध्या के लिए निकल पड़ा है। वह 650 किमी मिटर का पद यात्रा कर पत्थलगांव, सीतापुर के रास्ते सोमवार की सुबह अंबिकापुर पहुंचा। लोगों ने उसका जगह-जगह स्वागत किया।ओड़िशा के खोरदा निवासी 25 वर्षीय मनोज बेहरा 20 दिसंबर से पैदल यात्रा कर रहा है। वह पैदल यात्रा कर अयोध्या जाएगा और 22 जनवरी को होने वाली श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होगा। मनोज सोमवार की सुबह अंबिकापुर पहुंचा। वह बताया कि रास्ते में जो लोग खाने को दे देते हैं वहीं खा लेता हूं। अभी तक 650 किमी का यात्रा पैदल की कर चुका है। शेष अभी 550 किमी का यात्रा अभी बाकी है।

श्रीलंका की अशोक वाटिका से श्रीराम के चरण चिन्ह पादुका लेकर पहुंचे,पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी के साथ स्वागत

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। अयोध्या में श्री रामलला की 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होनी है। ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर श्रीलंका की अशोक वाटिका से श्रीराम के चरण चिन्ह पादुका लेकर उसी रास्ते अयोध्या तक यात्रा कर रहे हैं, जिस रास्ते से होकर श्रीराम रावण का वध करने के लिए श्रीलंका तक गए थे। गौरतलब है कि भगवान श्रीराम की चरण पादुका श्रीलंका से निकलकर देश के 8 राज्यों से होते हुए अयोध्या जा रही है। श्रीराम जी के ननिहाल छत्तीसगढ़ से होकर गुजरे श्रीराम वनगमन परिपथ से चलकर रामभक्त 20 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे। यहां नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर में चरण पादुका स्थापित होगी। रविवार की रात जैसे ही शहर में भगवान श्रीराम की चरण पादुका पहुंची, भगवान श्रीराम के जयकारों से शहर गुंजायमान हो उठा। शहर के अग्रसेन भवन में चरण पादुका रखी गई, जहां भक्तों ने फूल माला चढ़ाकर दर्शन लाभ प्राप्त किया। सोमवार की सुबह साढ़े 7 बजे से 9 बजे तक भक्तों ने चरण पादुका के दर्शन किए। इसके बाद भक्त उसे अयोध्या लेकर निकल गए। अंबिकापुर से चरण पादुका लेकर भक्त बिश्रामपुर पहुंचे, यहां भी भक्तों ने भव्य स्वागत किया। चरण पादुका श्रीराम वनगमन परिपथ से मध्यप्रदेश होकर अयोध्या पहुंचेगी।

वर्ष से कर्मचारी संगठनों की जिला परामर्शदात्री बैठक आयोजित नहीं,प्रतिनिधिमंडल ने की नए कलेक्टर से मुलाकात

-संवाददाता-

अंबिकापुर 08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने सरगुजा के नए कलेक्टर भोस्कर विलास संदिपान से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर कलेक्टर का स्वागत किया।कलेक्टर से चर्चा के दौरान फेडरेशन के पदाधिकारी-सदस्यों ने बताया कि लगभग दो वर्ष से कर्मचारी संगठनों की जिला परामर्शदात्री बैठक आयोजित नहीं हो सकी है। बैठक नहीं होने के कारण कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयास भी नहीं हो पा रहा है। जिला स्तर पर कलेक्टर के साथ फेडरेशन के पदाधिकारी-सदस्य परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन कर कर्मचारियों के समस्या निराकरण के लिए प्रभावी पहल किए जाने की मांग कलेक्टर के समक्ष रखी गई। कलेक्टर ने बैठक आयोजन को लेकर सकारात्मक सहमति प्रदान की। कलेक्टर से मुलाकात के दौरान कौशलेंद्र पांडेय,डा सीके मिश्रा,कमलेश सोनी,अनिल तिवारी,एलके सिंह,नवीन केशरी, नितेश पांडेय,बलधीर टोप्पो,मनीष मेहता,अमित सिंह,विजेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

कुसमी क्षेत्र में पड़ने लगी है कड़ाके की ठंड

-संवाददाता-

कुसमी,08 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। इन दिनों कुसमी सामरी पाठ क्षेत्र में रहने वाले लोगो को कड़ाके की ठंड का एहसास होने लगा है सुबह करीब 9 बजे तक प्रकृति कोहरे से ढक जा रही है वाहन चालक सड़क पर सावधानी पूर्वक वाहन चला रहे हैं, वही बढ़ी ठंठ से बचने के लिय लोग दिन में भी गर्म कपड़े का इस्तेमाल कर रहे है तो वही शाम ढलते ही लोग अलाव जलाकर ठंड से खुद को बचा रहे है , गौतलब है की कुसमी सामरी पाठ पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से यहां पर अन्य जगहों से कुछ ज्यादा ही ठंड पड़ती है इसलिए तो लोग दिन में भी गर्म कपड़े का इस्तेमाल करते है वही कडाके की ठंड की वजह से लोगो का काम काज भी प्रभावित होता है,बहरहाल कुसमी सामरी पाठ क्षेत्र में अभी के समय कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है।

CMYK

इमरान खान को गोपनीय दस्तावेज केस में बड़ी राहत,विशेष अदालत से मिली जमानत,रिहाई पर ये बात आई सामने

इस्लामाबाद, 08 जनवरी 2024 । पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत दी है। गोपनीय दस्तावेज मामले में उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली गई है। हालांकि, इमरान खान को अभी जेल में ही रहना होगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं, इस कारण उन्हें जेल से रिहा नहीं किया जाएगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इमरान की जमानत की पुष्टि की थी।

पाकिस्तानी प्रसारक- समा टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक,रिहाई के आदेश विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने जारी किए। इमरान खान की रिहाई की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि,सोमवार को

पाकिस्तान की एक विशेष अदालत से मिली राहत के बावजूद इमरान खान अदियाला जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें 190 मिलियन पाउंड के मामले में तोशाखाना मामले में भी गिरफ्तार किया गया है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर में साइफर मामला यानी गोपनीय दस्तावेज मामले में इमरान खान और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी को जमानत दे दी थी। देश की सबसे बड़ी अदालत ने दोनों पीटीआई नेताओं को 10-10 लाख पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) के जमानती बॉन्ड जमा करने का निर्देश भी दिया था। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सरदार तारिक मसूद की अध्यक्षता में तीन जजों की पीठ ने जमानत आदेश पारित किया था। इस पीठ में न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह और जस्टिस सैयद मंसूर अली शाह भी शामिल थे।

गौरतलब है कि गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक करने के मामले में पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने इमरान और पूर्व विदेश मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इमरान की पार्टी- पीटीआई ने तमाम आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मुकदमों को प्रतिशोध और राजनीति से प्रेरित करार दिया है।

बीते 13 दिसंबर को इमरान और कुरैशी को दूसरी बार दोषी ठहराया गया था। विशेष अदालत(आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम) ने अदियाला जिला जेल में इस मामले का ट्रायल फिर से शुरू हुआ। हालांकि, उथल-पुथल भरे माहौल में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने जेल में मुकदमा चलाने पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने विशेष अदालत के न्यायाधीश को निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

मालदीव के राष्ट्रपति ने बीजिंग को बताया मूल्यवान और अभिन्न सहयोगी, द्विपक्षीय संबंधों पर कही ये बात

बीजिंग,08 जनवरी 2024। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सोमवार को अपने पहले राजकीय दौरे पर बीजिंग पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चीन की प्रशंसा करते हुए उसे अपने देश का मूल्यवान और अभिन्न सहयोगी बताया और दोनों देशों के बीच सहयोग की सराहना की।

मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है। अपनी पांच दिवसीय यात्रा के पहले दिन उन्होंने फुजियान में प्रांतीय अधिकारियों से मुलाकात की। इसके एक दिन पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए तीन मंत्रियों को निलंबित कर दिया था। इन टिप्पणियों के चलते उनके देश का भारत के साथ एख बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर है। इन पर्यटकों में सर्वाधिक संख्या भारतीयों की है। चीन ने अभी तक उनका आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम जारी नहीं किया है। लेकिन,विदेश मंत्रालय ने यहां पहले कहा था कि वह अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के साथ बातचीत और कई समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाले हैं।

माले में राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यालय की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। जिसमें कहा गया है कि मालदीव में परियोजनाओं पर काम करने वाली चाइना कम्युनिकेशंस कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (सीसीसीसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुइज्जू ने बैठक की और मालदीव की विकास यात्रा में एक मूल्यवान और अभिन्न सहयोगी के रूप में चीन के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ाने की भी उम्मीद जताई। बाद में उन्होंने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की फुजियान प्रांत की इकाई के सचिव झोउ जुयी से मुलाकात की। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव दोनों देशों के संबंधों को महत्व देता है और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की उम्मीद करता है।

हालांकि, उनकी पहली चीन यात्रा मालदीव के कुछ मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के बाद पैदा हुए एक बड़े कूटनीतिक विवाद से घिर गई है। वांग ने पांच दिसंबर को कहा था,चीन और मालदीव के बीच संबंध अब एक नए ऐतिहासिक शुरुआती बिंदु पर खड़े हैं। हमारा मानना है कि इस यात्रा के माध्यम से दोनों राष्ट्र प्रमुख द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई तक पहुंचने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रपति मुइज्जू की यात्रा के दौरान मालदीव और चीन आधिकारिक वार्ता करेंगे और व्यापार, पेशेवर विकास और सामाजिक आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। बयान में कहा गया है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में सहयोग का मार्ग भी प्रशस्त करेगी।

बयान में कहा गया है कि मुइज्जू दक्षिण-पूर्वी चीनी शहर फुझोऊ में इन्वेस्ट मालदीव फोरम में भी भाग लेंगे और मालदीव और चीन के बीच सामाजिक आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के रास्ते तलाशने के लिए वरिष्ठ चीनी व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपतियों के बाल चांद पर भेजने की कवायद को बड़ा झटका,मून मिशन पेरेग्रीन-1 में आई तकनीकी खामी

वॉशिंगटन, 08 जनवरी 2024। विज्ञान और तकनीक से लैस पीढ़ी अंतरिक्ष को एक्सप्लोर करने की महत्वाकांक्षा भी रखती है। इसी कड़ी में अमेरिका से निजी मून लैंडर चांद की तरफ लॉन्च किया गया। हालांकि, पेरेग्रीन- वन नाम के इस मिशन को बड़ा झटका लग सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका से चांद की सतह पर भेजा गया निजी मून लैंडर- पेरेग्रीन-1 में तकनीकी खामियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 52 साल के बाद अमेरिका ने पहली बार चांद की सतह चूमने का प्रयास किया है। इससे पहले 1972 में अमेरिकी यान- अपोलो-17 मिशन चांद की सतह पर उतारा गया था। खबर के मुताबिक अंतरिक्ष जगत में काम करने वाली अमेरिकी कंपनी एस्ट्रोबोटिक पेरेग्रीन-1 का प्रक्षेपण कंट्रोल कर रही है। तकनीकी गड़बड़ी की खबरों पर कंपनी ने कहा, योजना के अनुसार यान अंतरिक्ष में उड़ान भरेगा, लेकिन वल्कन रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग होने के बाद कुछ खामियां सामने आईं। रॉकेट यूनाइटेड लांस एलायंस ने बनाया है। पेरेग्रीन लैंडर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी- NASA की तरफ से टेलीमेट्री रिसीव करने लगा, जो योजना का हिस्सा नहीं। लैंडर और नासा के डीप स्पेस नेटवर्क के संपर्क पर और विवरण जुटाए जा रहे हैं। वैज्ञानिक समस्या के समाधान का प्रयास कर रहे हैं। कंपनी का कहना है कि पेरेग्रीन का प्रणोदन प्रणाली सफलतापूर्वक एक्टिव हुआ, लेकिन, इसके बाद यह सेफ मोड में चला गया। एस्ट्रोबोटिक की टीम को सिग्नल मिलना बंद हो गया।

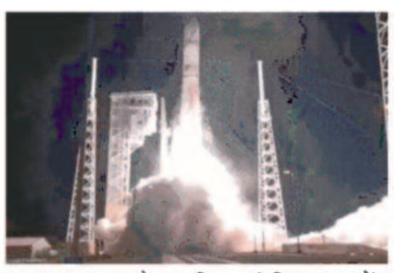

नवाज को बड़ी राहत,सुप्रीम कोर्ट ने आजीवन अयोग्यता के खिलाफ सुनाया फैसला

इस्लामाबाद, 08 जनवरी 2024 । पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को सांसदों के लिए आजीवन अयोग्यता को रद्द कर दिया और फैसला सुनाया कि सांसदों को पांच साल के लिए पद धारण करने से रोक दिया जाएगा। इसे आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले पूर्व प्रधानमंत्रियों नवाज शरीफ और इमरान खान समेत प्रमुख राजनेताओं के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय पीठ ने 2018 में एक फैसले में कहा था कि अनुच्छेद 62 (1) (एफ) के तहत अयोग्यता जीवनभर के लिए है। लेकिन, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा 26 जून, 2023 को चुनाव अधिनियम 2017 में किए गए बदलावों ने इसे केवल पांच साल के कार्यकाल तक सीमित कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश(सीजेपी) काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय पीठ ने सोमवार को फैसला सुनाया कि अनुच्छेद 62 (1) (एफ) के तहत अयोग्य करार दिए जाने पर किसी भी व्यक्ति को आजीवन चुनाव लड़ने से नहीं रोका जा सकता। मुख्य न्यायाधीश ईसा और न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह, न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी, न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान, न्यायमूर्ति जमाल खान मंदोखैल, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति मुसर्रत हिलाली की पीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति अफरीदी अन्य छह न्यायाधीशों से अलग थे और उन्होंने आजीवन अयोग्य ठहराए जाने के पक्ष में असहमति नोट लिखा था। इस फैसले ने संविधान के अनुच्छेद 62 (1) (एफ) और चुनाव अधिनियम 2017 के तहत अयोग्यता की अवधि के आसपास के सभी विवादों को एक बार फिर निर्धारित किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री और आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में चौथी बार राष्ट्रपति बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे शरीफ को 2017 में पनामा पेपर्स मामले में अयोग्य ठहराया गया था। उनके प्रतिद्वंद्वी इमरान खान भी उसी कानून की चपेट में आ गए थे। इमरान खान को पिछले साल तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अयोग्य ठहराया गया था।

अदालत के फैसले ने नवाज शरीफ और इमरान खान दोनों के साथ-साथ कई अन्य राजनेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला किया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेता और पूर्व कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह लंबे समय से लंबित था। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने एक विसंगति को दूर किया क्योंकि आजीवन प्रतिबंध मौलिक अधिकारों के खिलाफ था।

हूती विद्रोहियों को श्रीलंकाई नौसेना मुंहतोड़ जवाब देगी,लाल सागर के रास्ते सुरक्षित व्यापार पर जोर

कोलंबो,08 जनवरी 2024 । श्रीलंका नौसेना ने कहा है कि लाल सागर के रास्ते वैश्विक व्यापार को सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। नौसेना ने कहा कि श्रीलंका लाल सागर में एक नौसैनिक जहाज भेजने के लिए तैयार है। हूती विद्रोहियों के हमलों और व्यापारिक जहाजों पर मंडराते खतरों से निपटने की कवायद के तहत श्रीलंका के रराष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने जरूरी एलान कर दिए हैं। राष्ट्रपति के आदेश के बाद हर 15 दिनों में 250 मिलियन रुपये देने की घोषणा भी हुई है।

लाल सागर प्रमुख व्यापारिक जलमार्ग है। इसकी रक्षा में भारत जैसे देशों ने भी जरूरी कदम उठाए हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति का फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि विक्रमसिंघे रक्षा मंत्री का पदभार भी संभालते हैं। लाल सागर से जुड़े इस फैसले के कारण वे आलोचकों के निशाने पर भी हैं। श्रीलंका के आर्थिक संकट को देखते हुए इस फैसले के लिए विक्रमसिंघे की आलोचना हो रही है।

दुनिया का 12 फीसद व्यापार इसी रास्ते से होता है

राष्ट्रपति से जुड़े सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा, अगर हूती हमलों के कारण लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों का यातायात बाधित होता है तो जहाज को तैनात करने की लागत कोलंबो बंदरगाह को होने वाले नुकसान की तुलना में बहुत कम होगी। लाल सागर के बाब अल-मंडेब दक्षिणी चोकपॉइंट (से लगभग 12 प्रतिशत वैश्विक व्यापार होता है। हूती विद्रोहियों ने इसी जलमार्ग पर जहाजों को निशाना बनाया है।

सोमवार को जारी बयान के मुताबिक श्रीलंका की नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने कहा, तैनाती की सटीक तारीख की पुष्टि अभी नहीं की गई है। हालांकि, जहाज लाल सागर, अरब सागर,अदन की खाड़ी और जुड़े हुए समुद्री मार्गों को कवर करेंगे।

कैप्टन विक्रमसूर्या ने कहा कि शुरू में एक जहाज को लाल सागर में ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्डियंस के लिए तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाल सागर और आसपास के समुद्री व्यापारिक रास्ते पर चल रहे श्रीलंकाई नौसेना के ऑपरेशन के हिस्से के रूप में जहाजों को तैनात किया जाएगा। न्यूजवायर लंका के मुताबिक कैप्टन विक्रमसूर्या ने कहा, चर्चा के बाद युद्धपोत की क्षमता के आधार पर इसे हूती विद्रोहियों के दायरे में आने वाले किसी दूसरे समुद्री मार्ग पर भी तैनात किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक जहाजों की तैनाती या जहाजों की अदला-बदली श्रीलंका की मौजूदा जरूरतों और आर्थिक स्थिति के आधार पर की जाएगी।

हूती विद्रोहियों ने अब तक 20 से अधिक हमले किए

गौरतलब है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने हाल के हफ्तों में व्यापारिक जहाजों पर 20 से अधिक हमले किए हैं। इन हमलों के बाद एशिया और यूरोप के बीच माल की परिवहन लागत बढ़ गई है। गाजा में हमास के खिलाफ इस्राइल के सैन्य अभियान का बदला लेने का दावा करते हुए हूती विद्रोहियों ने कई हमले किए हैं।

फ्रांस में आप्रवासन को लेकर राजनीतिक खींचतान, प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

पेरिस,08 जनवरी 2024। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने सोमवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

पीएम बोर्न का इस्तीफा अन्य उपायों के अलावा कुछ विदेशियों को निर्वासित करने की सरकार की क्षमता को मजबूत करने के लिए मैक्रॉन द्वारा समर्थित विवादास्पद आव्रजन कानून पर हालिया राजनीतिक तनाव के बाद आया है।

बोर्न को मैक्रॉन के दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्निर्वाचन के बाद मई 2022 में नियुक्त किया गया था। वह फ्रांस की दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं। मैक्रॉन के कार्यालय के बयान में कहा गया है कि बोर्न नई सरकार नियुक्त होने तक दैनिक घरेलू मुद्दों को संभालना जारी रखेंगे।

ब्लिंकन बोले- धार्मिक आजादी के मामले में चीन-पाकिस्तान विशेष चिंता वाले देश; पाकिस्तान ने कही यह बात

न्यूयॉर्क / इस्लामाबाद , 08 जनवरी 2024। अमेरिका ने चीन के अलावा उत्तर कोरिया और पाकिस्तान को धार्मिक स्वतंत्रता के विशेष रूप से गंभीर उल्लंघन में शामिल विशेष चिंता वाला देश बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि 1998 में कांग्रेस से कानून पारित होने के बाद धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता को आगे बढ़ाना अमेरिकी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य रहा है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत ब्लिंकन ने पिछले सप्ताह कई देशों को लेकर चिंता जताई थी।

अमेरिका ने इन देशों को नामित किया

उन्होंने कहा था कि इस कानून के तहत, बर्मा (अब म्यांमार),चीन, क्यूबा, उत्तर कोरिया, पूर्वी अफ्रीकी देश- इरिट्रिया, ईरान, निकारागुआ, पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, तजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान विशेष चिंता वाले देश हैं। अमेरिका की तरफ से नामित करने के मायने हैं कि इन देशों में धार्मिक स्वतंत्रता का विशेष रूप से गंभीर उल्लंघन होता है। उल्लंघन में शामिल होने या उल्लंघन सहन करने पर भी अमेरिका इस कानून के तहत देशों को नामित करता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को विशेष चिंता का देश घोषित करने को अमेरिका का पक्षपातपूर्ण आकलन करार दिया। पाकिस्तान ने अमेरिकी आकलन को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने कहा, पाकिस्तान एक बहुलवादी देश है, जिसमें अंतर-धार्मिक सद्भाव की समृद्ध परंपरा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान ने अपने संविधान के अनुरूप धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक उपाय किए हैं।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न के लिए कैलिफोर्निया में विशाल रैली की योजना, 400 कारें होंगी शामिल

वॉशिंगटन, 08 जनवरी 2024। भारतीय-अमेरिकी प्रवासी अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए देश में कार रैलियां आयोजित करने की योजना है।

कैलफोर्निया इंडियंस समूह भगवान श्री राम जी की घर वापसी का जश्न मनाने के लिए 20 जनवरी को एक विशेष कार रैली का आयोजन करने जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि 400 से ज्यादा कारें रैली में शामिल होंगी। ये कारें साउथ बे से प्रतिष्ठित गोल्डन गेट ब्रिज तक जाएंगी।

आयोजकों ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत के आधुनिक इतिहास में सबसे बड़ी और गौरवपूर्ण घटा का जश्न मनाने के लिए उत्तरी कैलिफोर्निया में रह रहे भारतीय एक साथ आ रहे हैं। अमेरिका भर के स्थानीय मंदिर और प्रवासी संगठन 22 जनवरी से पहले विशेष समारोह आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पिछले कई हफ्तों में वाशिंगटन, शिकागो और अन्य अमेरिकी शहरों में कार रैलियां आयोजित की गई हैं। आयोजकों ने बताया कि रोहित शर्मा, मणि कीरन, परम देसाई, दैपायन देब, दीपक बजाज और बिमल भागवत सहित समुदाय के नेता कैलिफोर्निया में रैली की योजना बना रहे हैं।

आयोजकों ने कहा, हम अयोध्या नहीं जा सकते लेकिन राम जी हमारे दिलों में हैं और उनकी घर वापसी के लिए यह हमारा योगदान और समर्पण है।

टाइम्स स्क्वायर पर होगी प्राण प्रतिष्ठा समारोह की लाइव स्क्रीनिंग

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का 22 जनवरी को अमेरिका के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर लाइव स्क्रीनिंग होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टाइम्स स्क्वायर पर किसी भारतीय कार्यक्रम की पहली बार लाइव स्क्रीनिंग होगी। इससे पहले टाइम्स स्क्वायर पर भारत छह बड़े कार्यक्रम कर चुका है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला,विस्फोट में पांच पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, 08 जनवरी 2024। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को हुए एक शक्तिशाली बम विस्फोट में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। धमाके में 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की भी खबर है। हमला पुलिस प्रोटेक्शन टीम को निशाना बनाकर किया गया था। हमला उस वक्त किया गया, जब बाजौर जिले में एंटी पोलियो अभियान में ड्यूटी पर लगी पुलिस टीम को ट्रक में ले जाया जा रहा था। इसी दौरान आईईडी धमाके में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। घायलों को बाजौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई की हालत गंभीर है।

अफगानिस्तान की सीमा से सटा है घटनास्थल

जिस जगह पुलिस टीम को निशाना बनाया गया, वह बाजौर का मामुंद इलाका है और यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। साल 2021 में जब से अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आया है, तब से पाकिस्तान में अफगानिस्तान से सटी इस सीमा पर हमले बढ़ गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन इससे पहले भी पोलियो वैक्सीनेशन अभियान पर पाकिस्तान तालिबान ने कई हमले किए हैं। ऐसे में ताजा मामले में भी पाकिस्तान तालिबान की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता।

रविवार को हुए हमले में भी चार की गई थी जान

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को भी एक आतंकी हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल अज्ञात बंदूकधारियों ने दो वाहनों पर अंधाधुंन गोलियां बरसाई थी। यह हमला पाराचिनार से पेशावर के रास्ते पर हुआ। अभी तक इस हमले की किसी आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि यह इलाका शिया और सुन्नियों के बीच सांप्रदायिक हिंसा के लिए भी जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में साल 2023 में 419 आतंकी हमले हुए, जिनमें 620 लोग मारे गए। मरने वालों में 306 सुरक्षाकर्मी, 222 आम नागरिक और 92 आतंकी शामिल थे।

रोड सेल में डिपो होल्डर कर रहे फर्जीवाड़ा...

कुबेर कोल ट्रेडिंग का फर्जीवाड़ा आया सामने

कुबेर कोल ट्रेडिंग का कोयला कटकोना से जाना था औरंगाबाद...पर कोयला पहुंच गया अवैध चिमनी भट्टे में,वह भी स्थानीय ईंट भट्टे में।

5:30 बजे कटकोना एसईसीएल से कोयला लेकर निकली गाड़ी और 20 किलोमीटर दूर खांडा के एक चिमनी भट्टे में हो गई खाली

कुबेर कोल ट्रेडिंग को एसईसीएल में ब्लैक लिस्टेड करने की उठ रही मांग

क्या कुबेर कोल ट्रेडिंग ने खाड़ा स्थित ईंट भट्टे के लिए ही लगाया था एसईसीएल में डीओ ?

जिसकी मशीन से कोयला लोड हुआ उसी के भट्टे पहुंच गया कोयला

अंतरराज्यीय डीओ का कोयला राज्य तो दूर जिला भी नहीं बदला यहां तक की जिस क्षेत्र से उठा कोयला उसी एसईसीएल क्षेत्र में खाली हो गया

डीओ अंतरराज्यीय था न की छत्तीसगढ़ राज्य का

कुबेर कोल ट्रेडिंग ने जो डीओ सेल बैकुंठपुर क्षेत्र से कोयला उठाने के लिए लिया था उसके अनुसार वह कोयला बिहार के औरंगाबाद जाना था यह कोयला ना तो वहां गया यहां तक की जिला भी नहीं बदला जिस खदान से कोयला उठा उस खदान से महज 20 किलोमीटर दूर एक अवैध इट भट्टे में खाली हो गया, जबकि उसी ईट भट्टे को कोयला लेने का अधिकार है जो वैध रूप से संचालित हो। सूत्रों का कहना है कि ईट भट्ठा संचालक व डीओ होल्डर के बीच साठ-गांठ थी जिस वजह से ईट भट्ठा संचालक ने अपनी मशीन भेज कर खदान में ट्रक को लोड कराया और लोड कर के अपने भट्ठा मंगवा लिया।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/पटना 08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

रोड सेल में डीओ होल्डर कंपनियां कर रही फर्जीवाड़ा ऐसा ही एक मामला सामने आया जहां पर अंतरराज्यीय डीओ होल्डर कंपनी कुबेर कोल ट्रेडिंग ने एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के काटकोना कोयला खदान से रविवार को कोयला उठाया और जिस कोयले को छत्तीसगढ़ से बाहर बिहार के औरंगाबाद जाना था पर कोयला कटकोना खदान से महज 20 किलोमीटर दूर एक अवैध चिमनी भट्टे में खाली हो गया। डिओ होल्डर अन्य राज्य के लिए डीओ लगाते हैं डीओ मिलने के बाद अच्छे क्वालिटी का कोयला इस क्षेत्र में महंगे दामों पर गिरा कर चले जाते हैं और सस्ते क्वालिटी का कोयला इस गाड़ी में लोड करके दूसरे राज्यों में भेज देते हैं जिससे उन्हें काफी मुनाफा होता है। यह कोई पहला मामला नहीं है जैसा सूत्रों का ही कहना है लेकिन इस बार यह फर्जीवाड़ा सामने आ गया। खांडा के जिस ईंट भट्ठे में कोयला पहुंचा उसी ईंट भट्ठे के मालिक की गाड़ी ही कोयला गाड़ियों के लोड करने का काम कर रही है और वहीं से उनका आपस में सेटिंग हुआ जो बात समाने आ रही है। कोयला जाना था बिहार राज्य और पहुंच गया अन्य जगह वह भी 20 किलोमीटर के ही अंदर खाली कर दिया गया। जिस गाड़ी से फर्जी तरीके से कोयला ईट भट्ठे में गिराया गया उसका नंबर सीजी 15 एसी 4438 इसकी जानकारी पुलिस को भी थी पर पुलिस को चकमा देने में दोनों कामयाब हो गए या कहे तो हो सकता है कि पुलिस भी इस मामले में उनके साथ ही संलिप्त हो?

डीओ होल्डर कर रहे मनमानी और एसईसीएल सहित कोयला लेने वाले के आंखों में धूल झोंक रहे

जैसा की सूत्रों का कहना है की डी ओ होल्डर मनमानी पर उतारू हैं,वह एसईसीएल सहित कोयला लेने वालों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। कोयला जो अन्य राज्य के लिए एसईसीएल से निकल रहा है डीओ होल्डरों के माध्यम से वह जिन खदानों से निकल रहा है वहीं आसपास खाली कर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर पूरे मामले में अकेले डी ओ होल्डर की ही मर्जी चल रही है ऐसा नहीं है इसमें मिलीभगत कई लोगों की है जो बताया जा रहा है और इस तरह अवैध कोयले का कारोबार फिर जोर पकड़ने लगा है।

पुलिस भी ले रही रोड सेल में अपना कमिशन

सूत्रों सहित कुछ रोड सेल डीओ होल्डर की ही बात माने तो डीओ होल्डरों से पुलिस भी अपना कमीशन ले रही है यह कमीशन प्रति टन के हिसाब से है और जो वह ले रही है। कमीशन नहीं देने पर डीओ होल्डरों को अपना वाहन कोयला लदा ट्रक खड़ा करना पड़ जाता है इसलिए वह भी कमीशन देकर ट्रक बाहर ले जा रहे हैं या स्थानीय स्तर पर ही सेटिंग से खाली कर दे रहे हैं।

जब भट्ठा अवैध था तब फिर कैसे बेचा गया कोयला ?

जिस ईंट भट्ठे में कोयला वह भी बिहार भेजे जाने वाला कोयला खाली हुआ वह ईंट भट्ठा बताया जा रहा है की अवैध है। अब सवाल यह उठता है की अवैध ईंट भट्ठे में अन्य राज्य के डी ओ वाला कोयला कैसे खाली हो गया। पूरा मामला जांच का विषय है और जांच होनी चाहिए जिससे दूध का दूध पानी का पानी हो सके।

क्या ऐसे डीओ होल्डर को ब्लैकलिस्टेड करेगी कंपनी ?

जिस डी ओ होल्डर ने एस ई सी एल के अनुबंध को ताक पर रखकर अन्य राज्य भेजे जाने वाला कोयला स्थानीय ईट भट्ठे को बेच दिया क्या उसे एस ई सी एल ब्लेक लिस्ट करेगी। वैसे नियम अनुसार कंपनी को ब्लैक लिस्ट की कार्यवाही करनी चाहिए। दोषी पाए जाने पर कार्यवाही करने पर ही आगे से कोयला डी ओ होल्डर ऐसी गलती करने की कोशिश नहीं करेंगे वरना वह लगातार ऐसा करके नियम तोड़ते रहेंगे और अवैध कारोबार को बल देंगे।

दुगना मुनाफा कमाने का है पूरा खेल,अच्छे और खराब कोयले के बीच है मुनाफा

यह पूरा खेल दुगना मुनाफा कमाने का खेल है। इस खेल में नुकसान उन्हे हो रहा है जिन्हे बेकार कोयला मिल रहा है जबकि कोयला अच्छा उनके नाम से एस ई सी एल से निकल रहा है। सूत्रों की माने तो डी ओ होल्डर दूसरे राज्य को भेजे जाने वाले कोयले को जो अच्छी क्वालिटी का होता है को स्थानीय ईंट भट्ठों को अच्छे दामों पर बेच देते हैं वहीं वह कम दाम में खराब क्वालिटी का कोयला खरीदकर बाहर राज्य को भेज देते हैं जहां का डी ओ अच्छी क्वालिटी का कोयले का होता है। देखा जाए तो जिन्हे जिन लोगों को अच्छा कोयला नियम से मिलना चाहिए वह खराब क्वालिटी का कोयला पा रहे हैं वहीं स्थानीय ईंट भट्ठे वाले अच्छा कोयला सेटिंग से पा जाते हैं। मुनाफा डीओ होल्डरों का दुगना हो जाता है क्योंकि वह अच्छे कोयले को एक तरफ स्थानीय स्तर पर बेचकर अच्छा मुनाफा पा जाते हैं वहीं वह खराब क्वालिटी का कोयला उसी अच्छे क्वालिटी के कोयले के दाम पर बेचकर अन्य राज्य में बढ़िया मुनाफा पा जाते हैं।

क्या पुलिस कुचलना चाहती है पत्रकार के कलम को ?

क्या कोई पत्रकार किसी पुलिसकर्मी से अवैध कोई मांग करने की हिम्मत कर सकता है,उप निरीक्षक की शिकायत के बाद उठ रहे सवाल ?

जनता की शिकायत सुनकर न्याय दिलाने वाली पुलिस बनी खुद फरियादी,उप निरीक्षक ने पत्रकार की शिकायत उच्च अधिकारियों से की

पत्रकार ने कब कैसे किस माध्यम से की अवैध कोई मांग इसका उल्लेख करना भी भूल गए उप निरीक्षक

सच दिखाती खबर से नाराज हो उप निरीक्षक ने की शिकायत,अब पत्रकार से जवाब के लिए आया पत्र

अपने ही विभाग के उच्च अधिकारी से उप निरीक्षक ने की है शिकायत,पत्रकार के ऊपर लगाया है झूठा आरोप

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जनता की शिकायत सुनकर उन्हे न्याय दिलाने का काम करने वाली पुलिस अब खुद के लिए ही अपने ही विभाग के उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रही है और जिसके बाद यह समझा जा सकता है की पुलिस कितनी बेबस है कितनी असहाय है। मामला कोरिया जिले का है जहां एक उप निरीक्षक ने एक पत्रकार को लेकर अपने उच्च अधिकारियों से यह शिकायत की है की पत्रकार द्वारा उससे अवैध मांग की जा रही है। पत्रकार द्वारा अवैध क्या मांग की जा रही है किस माध्यम से मांग की जा रही है और मांगने का स्थान क्या है इसका उल्लेख शिकायत में नहीं है फिर भी शिकायत की गई है और जिसके बाद पत्रकार को पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय बैकुंठपुर से नोटिस प्राप्त हुआ है जिसमें उसे जवाब देने उपस्थित होने कहा गया है।

पूरे मामले में सवाल यह उठता है की जो पुलिस बिना सबूतों बिना गवाह कोई मामला दर्ज ही नहीं करती घटना स्थल सहित किसी शिकायत का आधार बताने के लिए जो फरियादी पर जोर डालती है तब जाकर मामला दर्ज करती है किसी शिकायत पर वही पुलिस केवल लिखित शिकायत के आधार पर पत्रकार को नोटिस भेज रही है और जवाब देने का दबाव डाल रही है जबकि मामला इसके उलट है और मामला केवल एक सत्य आधारित खबर से जुड़ा हुआ है जिसे पत्रकार ने प्रकाशित किया है। खबर पुलिस विभाग के एक उप निरीक्षक को नागवार गुजरी और उन्होंने पत्रकार की शिकायत उच्च अधिकारियों से कर दी है जिसके बाद पत्रकार को नोटिस जारी कर जवाब देने उपस्थित होने कहा गया है। बता दें की घटती घटना समाचार पत्र के कोरिया जिला संवाददाता द्वारा उप निरीक्षक राम प्रताप साहू को लेकर एक खबर प्रकाशित की गई थी जो सत्य आधारित थी और जो उप निरीक्षक राम प्रताप साहू को अच्छी नहीं लगी, खबर से बौखलाए उप निरीक्षक ने अपने उच्च अधिकारियों से पत्रकार की लिखित शिकायत कर दी जिसमे पत्रकार पर झूठा यह आरोप लगाया गया की वह अवैध कोई मांग कर रहा है। उप निरीक्षक ने आरोप तो लगा दिया लेकिन उनसे पत्रकार न मिला न उनसे फोन या अन्य माध्यम से ही कोई बात हुई फिर अवैध मांग पत्रकार ने कैसे की यह बात शिकायत में दर्ज नहीं है। कुल मिलाकर शिकायत खबर से नाराज होकर की गई जान पड़ती है।

सविता ने रेखा के बॉल पर जोरदार शॉट लगाकर

स्व.अंजनी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता किया उद्घाटन

स्व.अंजनी कुमार मिश्रा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में नवापारा ने करहियाखांड को 34 रन से हराया

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

एसईसीएल सहक्षेत्र कटकोना के एसईसीएल मैदान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्व. अंजनी कुमार मिश्रा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन मैच नवापारा व करहियाखांड के बीच खेला गया जिसने टॉस जीतकर नवापारा ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 12 ओवरों 8 विकेट गवांकर 111 रन बना पाई, जिस लक्ष्य का पीछा करते हुए करहियाखांड ने सिर्फ 77 रन ही बना पाई,उद्घाटन मैच को इस तरह से नवापारा ने 34 रनों से जीत लिया जिसके मैन ऑफ द मैच रहे सत्यम रहा जिन्होंने 5 विकेट लिया।

कटकोना खेल मैदान में सोमवार को स्व. अंजनी मिश्रा क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ, सौम्य महिला मंड़ल अध्यक्ष सविता मंड़ल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ, विशिष्ट अतिथि के रूप में रेखा पाण्ड़ेय, रीना विश्वकर्मा, संगीता सिंह, सहक्षेत्र प्रबंधक आरके मंड़ल, बीएस परिहार, श्रमिक नेता हरि यादव,शेषमणि पटेल,अशोक दुबे, कौशलेन्द्र त्रिपति, राजेश शर्मा, रमेश देवांगन, प्रदीप सिंह, अजित राय, दिनेश शर्मा, ब्राम्हण समाज के जिलाध्यक्ष ब्रिजनारायण मिश्रा, शैलेन्द्र शर्मा, राहुल मिश्रा, विनोद शर्मा, केके शर्मा, अभिषेक दुबे, नीतिन शर्मा, अग्नीहोत्री शामिल रहे, अतिथियों का स्वागत सम्मान आयोजक मंड़ल के योगेन्द्र मिश्रा व सहक्षेत्र कार्मिक प्रबंधक विनोद कुमार व अन्य सदस्यों के द्वारा शाल, श्रीफल भेंट कर किया गया तथा प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा स्व. अंजनी कुमार मिश्रा के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजली अर्पित करते हुए एवं खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए मुख्य अतिथिसविता मंड़ल एवं रेखा पाण्ड़ेय ने बैटिंग व बालिंग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का पहला मैच नवापारा पटना एवं करहिया खांड़ के बीच खेला गया इससे पहले खिलाड़ियों एवं अतिथियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सविता मंड़ल ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए हार जीत खेलों का अभिन्न हिस्सा है, जीत से खिलाड़ियों को अति उत्साहित तथा हार से निराश नहीं होना चाहिए वहीं आयोजन समिति को भी सभी टीमों को उचित व्यवहार के साथ खेलाना चाहिए जिससे आपसी प्रेम भाव बढ़े। वीरांची सिंह, देवंती सिंह, समुंद्री सिंह, कुशांति कुर्रे, सुनीता देवांगन, पूर्व सरपंच लक्ष्मण नायक, शनि सिंह, राकेश चक्रधारी, अजू सेन, विक्की सावरे,आनंद राजवाड़े, पियूष यादव, अभय सिंह बोले देवांगन,जीत राय सिंह, प्रदीप दिवेदी, ओमप्रकाश सिंह,मनोज सिंह, गोलू अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे, जहां पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व उपस्थित अन्य लोगों द्वारा स्वर्गीय अंजनी कुमार मिश्रा को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दीगई, इसके बाद मुख्य अतिथि के द्वारा खिलाड़ी परिचय लिया गया उसके उपरांत मुख्य अतिथि के द्वारा टॉस कराने के बाद मुख्य अतिथि ने अपने बाला से बॉल पर एक जोरदार शॉट लगाकर मैच का शुभारंभ किया। दोनों टीमों ने खेल का अच्छा प्रदर्शन दिखाया जिस वजह से लोगों ने खेल का जमकर आनंद लिया।

उनके पाचवी में पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्व. अंजनी कुमार मिश्रा स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता 2020 से लगातार आयोजित होती जा रही है आज इस प्रतियोगिता का 5 साल हो गया, यह प्रतियोगिता पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ रहे स्व. अंजनी कुमार मिश्रा के नाम पर आयोजित की जाती है, इसका आयोजन इनके बड़े भाई योगेंद्र मिश्रा जो एचएमएस के महामंत्री हैं इनके द्वारा उनकी याद में यह आयोजन कराया जाता है, क्योंकि अंजनी कुमार मिश्रा खुद भी क्रिकेट खेला करते थे और उन्हें क्रिकेट से काफ़ी प्रेम भी था जिसे लेकर हर साल उनकी याद में उनके पुण्यतिथि पर उनके बड़े भाई द्वारा इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, उनके पाचवी में पुण्यतिथि पर भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लगभग 3 दर्जन टीमों ने लिया भाग

योगेन्द्र मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम छोटे भाई की याद में विगत पांच वर्षों से किया जा रहा है,लगभग 3 दर्जन टीमों ने भाग लिया है, विजेता व उप विजेता टीम को नगद राशि व प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा। मंच का सफल संचालन मुकेश गुप्ता ने किया, आए हुए समस्त अतिथियों का आभार योगेन्द्र मिश्रा ने किया। बता दें कि कटकोना कालरी के खेल मैदान में पिछले पांच वर्षों से चली आ रही स्व. अंजनी मिश्रा प्रतियोगिता का आयोजन उनके बड़े भाई योगेन्द्र मिश्रा व कोल परिवार के सदस्यों के द्वारा कराया जाता है, इस वर्ष भी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें 3 दर्जन से भी अधिक क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं।

स्वास्थ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का सीएचसी पटना में किया गया स्वागत

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन में स्वास्थ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का स्वागत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के मुख्य द्वार में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.बलवंत सिंह और छग प्र स्वा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष श्याम सुन्दर जायसवाल, बैकुंठपुर ब्लॉक अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह के अगवाई में विभाग के

समस्त स्टाफ के साथ स्वागत किया गया। स्वास्थ मंत्री श्री जयसवाल जी संभाग स्तरीय सम्मेलन में शामिल होने अंबिकापुर जा रहे थे उनके साथ बैकुंठपुर के विधायक भईया लाल राजवाड़े और कृष्ण बिहारी जायसवाल का भी स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहेंगे। आज के स्वागत में मंत्री जी का स्वागत आर पी गौतम, वीरेंद्र साहू, आर पी यादव,वीरेंद्र प्रताप सिंह, दीपक पाण्डेय, अमृत टुंडे, तबिता भगत, अजय भगत, संदीप तिर्की, संतोष साहू और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

छ.ग. आर.एम.ए संघ कोरिया/एम.सी.बी जिले के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

आज दिनांक 07/01/2024 को छ0ग0 आर.एम.ए. एसोसिएशन कोरिया/एम.सी.बी. जिले के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर 2024 का विमोचन छ0ग0 शासन के कैबिनेट मंत्री माननीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, और बीस सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के

करकमलों संपन्न हुआ। इस अवसर पर कोरिया/एम.सी.बी. जिले के जिला एसोसिएशन अध्यक्ष-परमेश्वर राजवाड़े, अवनीश पाण्डेय, संयोजक-विवेकानन्द चौबे, प्रदेश महामंत्री राजेश द्विवेदी, प्रकाश जाधव, राहुल मिश्रा, वर्षा श्रीवास्तव, किरण वर्मा, रतिमा नागवंशी, हेम जाधव, कामिनी रौतिया खान, कौशलेन्द्र तिवारी, अरूण पासवान, गितेश डड़सेना, संतोष बेहरा, राजेन्द्र देवानी, पुष्पेन्द्र बर्मन,वीरेन्द्र गोपाल, इश्तियाक अंसारी, अनिल मिश्रा, पी.एन.त्रिपाठी, ब्रिजेश श्रीवास, केशव दास महन्त, टामल चतुर्वेदाही इत्यादि समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे?।

ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में मंत्री श्यामबिहारी ने सरलता से जीता लोगों का दिल

चिरमिरी में समाज ने किया मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का अभिनंदन, कहा जब भी जरूरत पड़ा समाज के लिए खड़ा रहूंगा

-संवाददाता-
कोरिया,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

महर्षि भवन चिरमिरी में ब्राह्मण समाज चिरमिरी द्वारा प्रदेश के नवनिर्वाचित स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जहां विप्र जनों ने मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का अभिनंदन किया इस अवसर पर अपनी कार्यशैली एवं उद्गार से मंत्री श्री जायसवाल ने विप्र जनों का दिल जीत लिया मंत्री बनने के बाद भी उनके सरल व्यवहार की लोग मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहे हैं। कार्यक्रम मे मौजूद प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे ने भी अपने शिष्य श्यामबिहारी जायसवाल के मंत्री बनने पर प्रशन्नता व्यक्त की।

विप्र कुल श्रेष्ठ भगवान परशुराम जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसके बाद ब्राह्मण समाज चिरमिरी इकाई के अध्यक्ष हरिकांत अग्निहोत्री ने सर्वप्रथम मंत्री श्री जायसवाल का स्वागत एवं श्रीफल एवं शाल देकर किया जिसके पश्चात सभी विप्रो ने मंत्री का क्रमशः माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। अध्यक्ष श्री अग्निहोत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि चिरमिरी स्थित महर्षि भवन शीघ्र ही सनातन संस्कृति के उत्कर्ष का केन्द्र बनेगा। संरक्षण प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे ने कहा कि ब्राह्मण सदैव से जीव मात्र के कल्याणार्थ तप यज्ञ आदि कर समाज के समाज के सभी वर्गो को एक दूसरे के साथ समन्वय व सौहार्दपूर्ण जीवन जीवन जीने की शिक्षा प्रदान करते आया है और आज भी अपने कर्तव्य पर इसी प्रकार चल रहा है। उन्होने कहा कि यह किसी गुरू के लिए गौरवशाली क्षण है जब उनका शिष्य उन्नति के शिखर पर पहुंचता है। समाज के महामंत्री धीरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि चिरमिरी ब्राह्मण समाज का प्रत्येक सदस्य सनातन संस्कृति की उन्नति और उत्कर्ष के लिए पूरी उर्जा के साथ क्रियाशील है। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष वाचस्पति दूबे एवं आभार प्रदर्शन युवा इकाई प्रमुख फणीन्द्र मिश्रा ने किया ।

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि लोग सीधे मुझसे संपर्क रखे मेरी भी कोशिश है...

समाज द्वारा अभिनंदन कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में अत्यंत सरलता का परिचय देते हुए कहा कि इस अवसर पर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं, ब्राह्मणो के आशिर्वाद से ही यह सफर तय करने की बात उन्होने कही। कार्यक्रम में मौजूद अपने गुरू प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे की ओर ईशारा करते हुए उन्होने कहा कि आज मेरे गुरू को भी काफी प्रशन्नता हो रही होगी, ऐसा अवसर काफी कम मिलता है,आपने उम्मीद से ज्यादा मुझे आशिर्वाद और वोट दिया है। अब लोगो की अकाक्षांए बढ चुकी हैं, सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का वादा उन्होने विप्र जनों से किया। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि लोग सीधे मुझसे संपर्क रखे मेरी भी कोशिश है कि मैं ज्यादा से ज्यादा लोगो के काम आ सकूं, मुझमे और लोगो के बीच किसी भी रूप में मंत्री का भाव ना आ सके इससे दूरियां बढती है। मंत्री श्री जायसवाल ने क्षेत्र में आगामी समय में जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कालेज,रेलवे लाईन आदि अन्य कार्यों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य बाबूराम पांडेय, डीके उपाध्याय, शिव गणेश त्रिपाठी, नारायणी अध्यक्षा श्रीमती मिथलेश परासर, कमला शुक्ला, दीपनारायण त्रिपाठी, शंभूनाथ तिवारी, विनोद मिश्रा, शिवेन्द्र त्रिपाठी, चंद्रिका तिवारी, किशोर पाठक, रमेश शुक्ला, श्रीकांत शुक्ला, महेन्द्र मिश्रा, सभी इकाईयों के अध्यक्ष अभिमन्यु दुबे, आरपी शुक्ला, शिवशंकर शर्मा, ललित पांडेय, कोरिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष बृजनारायण मिश्रा, योगेन्द्र मिश्रा, राजेश पांडेय, सुनील मिश्रा, नितिन शर्मा, राहुल मिश्रा, वीरेन्द्र कुमार तिवारी, उमेश तिवारी, सुनील त्रिपाठी, विवेक त्रिपाठी, अखिलेश दुबे, आरपी तिवारी, राजेन्द्र तिवारी, द्वारिका मिश्रा, पवन तिवारी, रवी दुबे, दुर्गेश पांडेय, संजय कुमार पांडेय समेत बड़ी संख्या में महिला शक्ति,युवा उपस्थित थे।

कांग्रेस के नेता जयसिंह अग्रवाल का नाम लोकसभा चुनाव कमेटी में शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणु गोपाल ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए छत्तीसगढ़ कांग्रेस चुनाव कमेटी की घोषणा की है। इस कमेटी में प्रदेश के 18 कांग्रेस नेताओं को स्थान दिया गया है। जिसमे कोरबा से जयसिंह अग्रवाल को शामिल किया गया है । कमेटी में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, मो. अकबर, शिव कुमार डहरिया, अनिला भेडिया, मोहन मरकाम, गुरू रूद्र कुमार, धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, अमितेश शुक्ला, विकास उपाध्याय, राजेश शुक्ला, और पारस चोपडा सहित प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस अध्यक्ष, सेवादल अध्यक्ष, आदि शामिल किये गये है। बताना होगा कि इसी वर्ष मई-जून माह में लोक सभा चुनाव होने है। छत्तीसगढ़ के सभी 11 सीटों के लिए कांग्रेस अभी से तैयारी शुरू कर कार्य योजना बनाने में जूट गई है। इसके पूर्व भी चुनाव समितियों में जयसिंह अग्रवाल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलती रही है ।

नात-रिश्तेदार विप्रजन वैवाहिक पत्रिका का किया गया विमोचन

बैठक में नई पीढ़ी को सामजिक कार्यों से जोड़ने पर दिया गया जोर

-संवाददाता-
सूरजपुर/रामानुजनगर,08 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

नात रिश्तेदार विप्र जन द्वारा क्षेत्र में एक अभिनव शुरुआत किया गया है । जिसमें आपसी रिश्तेदारों के परस्पर मेल-मिलाप व नव युवक युवतियों के लिए वैवाहिक परिचय पत्रिका तैयार की गई है जिसका कल विधिवत विमोचन किया गया। रामानुजनगर के सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण मे मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीपप्रज्वलन व भगवान परशुराम के वंदना के साथ पं. राजेश दुबे (बब्लू महाराज)ने मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कराया ।जिसमें रामानुजनगर व प्रेमनगर विकास खंड के ब्राह्मण परिवार

विशेष रूप से शामिल रहे। बैठक में समाज के विभिन्न परिवारों के विकास व कल्याण के साथ परस्पर सहयोग के लिए विस्तृत चर्चा की गई। जिले में लंबे समय से एक दूसरे से पारिवारिक रूप से जुड़े होने के बावजूद नई पीढी के बच्चों मे आत्मीय संबंधों मे कमी को लेकर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए इसमें सुधार के लिए प्रयास करने की बात सामने आई। इस दौरान समाज वरिष्ठ जन कमला प्रसाद दुबे ,नागेंद्र उपाध्याय,रूद्रेश्वर दुबे, विरेंद्र दुबे ,जुगेश्वर पाण्डेय,पुनीता दुबे,सत्यनारायण दुबे,सुधाकर शुक्ल, सुरेंद्र दुबे ने विचार व्यक्त कर नात रिश्तेदार के बीच परस्पर मेलजोल बढाने व समाज की नई युवा पीढी को कुलरीति परंपराओं से अवगत कराने तथा इस तरह नियमित रूप से बैठकें आयोजित कर समाज के विकास व सहयोग करने का निर्णय लिया गया ।रामानुजनगर मे भैयाथान की पिछली बैठक मे आमंत्रित किए गए सुझावों व सुधारात्मक प्रयास पर चर्चा किया गया तथा वैवाहिक परिचय पत्रिका 2024 का विमोचन किया गया । पत्रिका में सूरजपुर- कोरिया- सरगुजा के नात रिश्तेदारों के परिवारों से विवाह योग्य युवक युवतियों का नाम व उनसे जुड़ी जानकारी डाली गई है जिससे समाज में परस्पर एक दूसरे से जुड़े दो परिवारों के मध्य नए रिश्ते बन सके।

इस अवसर पर अंजनी पाण्डेय,उमानाथ तिवारी, रामेश्वर शुक्ल,शेषनारायण शर्मा , देवेंद्र नाथ, राजेश्वर दुबे, ध्रुव नाथ तिवारी,संतोष शर्मा, नागेंद्र दुबे,ज्ञानदत्त, राजेश प्रसाद दुबे, गोपाल शर्मा, यादवेंद्र दुबे , बद्रीनारायण दुबे,ब्रह्मानंद दुबे,शशि भूषण दुबे,पुष्प राज पाण्डेय ,धर्मेंद्र दुबे,शशिनाथ तिवारी,दिनेश दुबे, कपिल पाण्डेय, सतीश दुबे,संजय पाण्डेय,जयप्रकाश,अवधेश द्विवेदी, उमाशंकर शुक्ल,अजय पाण्डेय, विनय दुबे,संदीप दुबे,गौरव शर्मा, सहित बड़ी संख्या मे विप्रजन मौजूद रहे।

एनटीपीसी कोरबा का 'झंकार' आनंद मेला 2024 खुशी और भव्यता से जगमगाया

-संवाददाता-
कोरबा,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

एनटीपीसी कोरबा ने 5 जनवरी 2024 को सामुदायिक भावना के एक शानदार प्रदर्शन के साथ मनमोहक एवं जीवंत उत्सव आनंद मेला 2024 का किया आयोजन । एनटीपीसी कोरबा के मैत्री महिला मंडल द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव एक भव्य कार्यक्रम था,जो एकजुटता और खुशी की भावना को दर्शाता है । यह मेला दिनांक 05 और 06 जनवरी 2024 दो दिन के लिए किया गया था आयोजित। इस वर्ष के उत्सव के लिए चुनी गई थीम झंकार रखा गया था, जो लोगों के जीवन में संगीत के प्रति अहम भूमिका को दर्शाता है।

यह भव्य कार्यक्रम एवं उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि सी. शिवकुमार, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (डब्ल्यूआर II, यूएसएससी और ऐश एनआई), श्रीमती सी. पद्मजा, अध्यक्ष, (अर्पिता महिला समिति), श्री मधु एस., परियोजना प्रमुख (कोरबा) की उपस्थिति में हुआ। संगवारी महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पुजारी ने भी एनटीपीसी कोरबा में आनंद मेला 2024 के दौरान अपनी गरिमामय उपस्थिति दिखाई जिनका स्वागत श्रीमती कस्तूरी मैत्रा, कार्यवाहक अध्यक्ष (मैत्री महिला समिति) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्ति अर्नब मैत्रा, महाप्रबंधक (प्रचालन एंड मेंटेनेंस), अनूप कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन), एस.पी. सिंह, महाप्रबंधक (ईधन रखरखाव), सोमनाथ भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस), मनीष वी. साठे, महाप्रबंधक (ऐश डाइक प्रबंधन), ए.आर. मंडल, महाप्रबंधक (सीएंडआई मेंटेनेंस), प्रभात राम, अपर महाप्रबन्धक (मानव संसाधन), एनटीपीसी कोरबा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी,यूनियन और एसोसिएशन, कल्याण निकाय, सीआईएसएफ और लेडीज क्लब के सदस्या भी उपस्थित थे।

स्काउट आंदोलन छात्रों,युवाओं को दे रहा नैतिक शिक्षा : लखनलाल देवांगन

-संवाददाता-
कोरबा,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिले में रविवार को वाणिज्य,उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के लीडर्स और सर्विस रोवर्स, रेंजर्स तथा प्राचार्यगणों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गीतांजलि भवन में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि स्काउट आंदोलन के माध्यम से छात्रों, युवाओं को नैतिक शिक्षा मिल रही है और उनका व्यक्तित्व निखर रहा है। स्काउट्स, गाइड्स और इससे जुड़े लोग मानव जाति की सेवा में जुटे हुए हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ में विभिन्न आयोजन होंगे। इस दौरान स्काउट्स, गाइड्स द्वारा भी सेवा कार्य किया जाएगा। श्री लखनलाल देवांगन ने उपस्थित स्काउट गाइड के शिक्षकों से आव्हान किया कि वे स्वंय के साथ छात्रों, युवाओं और संस्था को और आगे बढ़ाने के लिए काम करें। वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री ने कहा कि जिला मुख्य आयुक्त द्वार जिला प्रशिक्षण केन्द्र के लिए भवन उपलब्ध कराने की मांग रखी गई है। जिले में कई भवन रिक्त हैं, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के प्रशिक्षण केन्द के लिए भवन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद शेख ने जिले की गतिविधियों की जानकारी से अतिथियों को अवगत कराया। स्वागत उद्बोधन जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज द्वारा दिया गया। मंच पर पार्षद द्वय नरेन्द्र देवांगन, धनश्री, पूर्व पार्षद राधे यादव, उमा भारती शराफ, प्रफुल्ल तिवारी, एएसटीसी जितेन्द्र साहू, जिला मुख्यालय आयुक्त द्वय विवेक लांडे, संजय गुप्ता मंचासीन रहे। समारोह का संचालन जिला संयुक्त सचिव रेखारानी लाल ने किया तथा आभार जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) गनेशी सोनकर ने व्यक्त किया ।

आखिर कब थमेगा घाट पेंडारी में दुर्घटनाओं का सिलसिला,फिर पलटा ट्रक, सड़क पर फैला केमिकल

-संवाददाता-
प्रतापपुर (सूरजपुर),08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

दुर्घटनाओं के लिए बदनाम घाट पेंडारी में रविवार की सुबह 5 बजे के लगभग केमिकल लेकर यूपी की ओर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर घाट के खतरनाक मोड़ पर पलट गया। दुर्घटना में ट्रक चालक व परिचालक घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार एक बारह चक्का ट्रक विशाखापट्टनम से रंग रोगन बनाने के काम में आने वाला सफेद व पीला केमिकल लेकर यूपी के जौनपुर जा रहा था। इसी दौरान रविवार कि सुबह 5 बजे के लगभग जब ट्रक घाट पेंडारी की खतरनाक घाट में उतर रहा था तब अचानक घाट के सबसे खतरनाक व गहरी खाई से भरे घुमावदार मोड़ पर चालक ने ट्रक से अपना नियंत्रण खो दिया और ट्रक खाई में गिरने से बाल बाल बचते हुए सड़क के किनारे पलट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में लोड केमिकल बहकर सड़क में लगभग एक किलोमीटर तक फैल गया। सड़क में फैले केमिकल ने सड़क को फिसलपट्टी की तरह बना दिया था। जिसके कारण दुर्घटना से बचने के लिए सड़क में आना-जाना कर रहे वाहनों के पहिए ठिठक कर केमिकल के सूखने का इंतजार करने लगे। क?ई घंटों के बाद जब सड़क पर फैला केमिकल सूखा तब कहीं जाकर आवागमन फिर से शुरू हो सका। इस दौरान सड़क पर जाम लग गया और वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

इस संबंध में दुर्घटनाग्रस्त ट्रक चालक ने बताया कि जब वह घाट के खतरनाक मोड़ पर पहुंचा तो ट्रक को धीरे करने के लिए क?ई बार ब्रेक लगाया पर गति के अत्यधिक दबाव के कारण ब्रेक ने काम नहीं किया और ट्रक सड़क के बाएं ओर स्थित गहरी खाई की ओर जाने लगा, गहरी खाई में जाने से बचने के लिए उसने सूझबूझ से काम लेते हुए ट्रक के स्टेयरिंग को एकाएक पूरी तरह से दाहिनी ओर मोड़ दिया जिससे ट्रक सड़क पर ही पलट गया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक में चालक व परिचालक के अलावा और लोग भी सवार थे यदि चालक ने सूझबूझ से काम नहीं लिया होता तो ट्रक सीधा सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिर सकता था जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर चंदौरा हाइवे पुलिस भी पहुंची थी पर दुर्घटना होने के 36 घंटे बाद भी ट्रक पलटी हुई अवस्था में सड़क पर ही पड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि सड़क पर पलटे पड़े केमिकल से लोड ट्रक को उठाने के लिए क्रेन की जरूरत है जो कि उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

पंचायत सचिव के अवैध घर पर चला बुलडोजर

पंचायत सचिव के अवैध घर पर चला बुलडोजर

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

जिले के वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत बरतीखुर्द में अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर चला है. दरअसल बरती खुर्द के प्राथमिक व मिडिल स्कूल परिसर में वर्षो से एक पंचायत सचिव ने अवैध रूप से घर बना लिया था,जिसका लगातार ग्राम पंचायत विरोध कर रहा था। वहीं अब नगर तहसील से अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित करने के बाद तहसीलदार व स्थानीय पुलिस की मदद से अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

इस मामले में वाड्रफनगर तहसीलदार ने जानकारी देते हुए बताया कि लंबे समय से यह प्रकरण तहसील न्यायालय में चल रहा था,जिस पर प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की गई है। उक्त व्यक्ति द्वारा विद्यालय परिसर में कई वर्षो से अतिक्रमण किया गया था और कई बार समझाइश देने के बावजूद भी वह नोटिस लेने से भी मना कर देता था। अंततः न्यायालीन प्रक्रिया के तहत अवैध अतिक्रमण को हटाया गया और विद्यालय परिसर को मुक्त किया गया है.

न्यायालय तहसीलदार नजूल, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.1297/अ-20(1)/2022-23

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07 सात -01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ.ग. राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4 (1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक संध्या सोनी पति श्री शम्भुनाथ सोनी निवासी गंगापुर खुर्द, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम गंगापुर खुर्द, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि भूखण्ड क्रमांक 294/3 रकबा 1.85 1/2 एकड़ मे से रकबा 129.62 वर्गमीटर भूमि पर पक्का शीटयुक्त मकान निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बावत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/01/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 02/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल तहसीलदार, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202312020700135

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-जयन्त कुमार थोरात,
अनावेदक पक्षकार-आनन्द राम थोरात पिता भंदूजी थोरात,

ईश्तहार

आवेदक जयन्त कुमार थोरात आ0 स्व0 आनन्द राम थोरात व अन्य, निवासी चोपडापारा कॉलोनी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 70/3 रकबा 0.032 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 आनन्दराम थोरात का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

इंडिया/अफगानिस्तानःटी 20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं होंगे ये पांच खिलाड़ी!

» सेलेक्टर्स ने नजरअंदाज कर साफ कर दी है तस्वीर
» शानदार फॉर्म के बावजूद केएल राहुल को नहीं मिली टी-20 टीम में जगह
» एकबार फिर टी-20 टीम से नजरअंदाज हुए युजवेंद्र चहल
» भुवनेश्वर कुमार के लिए लगभग बंद हो चुके हैं दरवाजे

नई दिल्ली,08 जनवरी 2024। आईसीसी ने 5 जनवरी को जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी किया था। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली की लंबे समय बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। हालांकि, कई ऐसे बड़े नाम भी हैं, जिनको इस सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। माना जा रहा है कि सेलेक्टर्स ने इन प्लेयर्स को नजरअंदाज करते हुए साफ उनके टी-20 करियर पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 की टीम में इन पांच खिलाड़ियों का खेलना बेहद मुश्किल नजर आ रहा है।

1. युजवेंद्र चहल

टी-20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज युजवेंद्र चहल को अफगानिस्तान के खिलाफ चुनी गई टीम से भी नजरअंदाज कर दिया गया है। चहल को पिछले टी-20 विश्व कप के बाद से इस फॉर्मेट में खेलने का मौका नहीं मिला है। यही वजह है कि उनका आगामी टी-20 वर्ल्ड कप में सेलेक्शन बेहद मुश्किल नजर आ रहा है।

2. भुवनेश्वर कुमार

2022 में भारतीय बॉलिंग अटैक की अगुआई करने वाले भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 मैच 22 नवंबर 2022 को खेला था। इसके बाद से भुवी लंबे समय से टी-20 टीम से बाहर चल रहे हैं। अर्शदीप सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार के दमदार प्रदर्शन के बाद भुवी के लिए टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं।

3. केएल राहुल

साउथ अफ्रीका की धरती पर शानदार प्रदर्शन करके लौटे केएल राहुल को भी टी-20 टीम में नहीं चुना गया है। राहुल ने लगभग डेढ़ साल से कोई भी टी-20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। अफगानिस्तान सीरीज में राहुल की अनदेखी ने काफी हद तक इस बात को साफ कर दिया है कि सेलेक्टर्स उनको वर्ल्ड कप टीम में नहीं रखना चाहते हैं।

4. श्रेयस अय्यर

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में टीम का हिस्सा रहे श्रेयस अय्यर को अफगानिस्तान सीरीज के लिए इग्नोर कर दिया गया है। मिडिल ऑर्डर में सूर्यकुमार और हार्दिक पांड्या की वापसी के बाद अय्यर के लिए टी-20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाना बेहद मुश्किल दिखाई देता है।

5. ईशान किशन

अफगानिस्तान सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ईशान किशन का नाम ना देखकर हर किसी को हैरानी हुई। ईशान के ऊपर संजू सैमसन और जितेश शर्मा को बतौर विकेटकीपर तरजीह दी गई है। अगर सैमसन इस सीरीज में हाथ आए मौके को भुनाने में सफल रहते हैं, तो ईशान के लिए टी-20 वर्ल्ड कप की राह काफी मुश्किल हो जाएगी।

ग्रांट ब्रैडबर्न न्यूजीलैंड दौरे से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम से अलग हो गए

नई दिल्ली,08 जनवरी 2024। न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार ग्रांट ब्रैडबर्न ने सोमवार को पाकिस्तान टीम के उच्च प्रदर्शन कोच के पद से सेवानिवृत्ति की घोषणा की। पूर्व कीवी बल्लेबाज को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दो साल की अवधि के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था।
हालांकि, पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के निदेशक के रूप में मोहम्मद हफीज की नियुक्ति के बाद, पीसीबी ने पूरे कोचिंग स्टाफ के पोर्टफोलियो को बदल दिया जिसमें ब्रैडबर्न भी शामिल थे।ब्रैडबर्न ने अपने पद से संन्यास की घोषणा करने के लिए एक्स को लिखा और लिखा, पाकिस्तान क्रिकेट के अद्भुत अध्याय को बंद करने का समय। पांच वर्षों में तीन भूमिकाएं, जो हासिल किया गया है उस पर मुझे गर्व है और इतने सारे उत्कृष्ट खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए आभारी हूं।

संक्षिप्त खेल समाचार

आईपीएल 2024 में सूर्यकुमार यादव के खेलने पर सस्पेंस

सर्जरी के लिए जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली,08 जनवरी 2024। सूर्यकुमार यादव की चोट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मुंबई इंडियंस के घातक बल्लेबाज को सर्जरी कराने के लिए विदेश भेजा जा रहा है। ऐसे में आईपीएल 2024 में उनकी उपस्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि, उनकी रिकवरी के लिए दिया गया समय भी सामने आ गया है। दुनिया के टॉप टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को स्पोर्ट्स हार्निया है और उसके इलाज के लिए उन्हें जर्मनी भेजा जा रहा है। इस बीच सूर्यकुमार मुंबई के लिए घरेलू मुकाबलों में शामिल नहीं हो सकेंगे। इन दिनों वह बेंगलुरू में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब में रह रहे हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि, स्काई को हाल ही में स्पोर्ट्स हार्निया का पता चला था। वह मौजूदा समय में एनसीए में हैं। दो-तीन दिन में वह इसका ऑपरेशन कराने के लिए जर्मनी के म्यूनिख के लिए उड़ान भरेंगे। इसका मतलब है कि वह निश्चित रूप से इस सीजन रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलेंगे और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों में भी उनके शामिल होने की संभावना है। सूत्र ने कहा कि जून में टी 20 वर्ल्ड कप देखते हुए सूर्यकुमार यादव को ठीक होने के लिए पूरा समय दिया जाएगा वह टी20 वर्ल्ड कप में भारत की संभावनों के लिए अहम है।

अनुभवी आक्रमणकारी मिडफील्डर नवनीत कौर अवसरों को बदलने के महत्व पर जोर

रांची,08 जनवरी 2024। रांची में लगभग एक सप्ताह बिताने और मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ में प्रशिक्षण लेने के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 में चुनौती के लिए तैयार है, जहां वे 13 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे। हॉकी इंडिया के हवाले से अनुभवी आक्रामक मिडफील्डर नवनीत कौर ने घरेलू मैदान पर अपने महत्वपूर्ण प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए कहा, ÷रांची में जल्दी पहुंचने से हमें मुख्य पिच पर काफी कुछ सत्र हासिल करने में मदद मिली है और इससे हमें इसके लिए अभ्यस्त होने में भी मदद मिली है।

गॉफ लगातार दूसरी बार बनीं ऑकलैंड में चैम्पियन

» रायबकिना ने छठी बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब जीता

लंदन,08 जनवरी 2024। साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन 14 जनवरी से शुरू होना है। उससे पहले रायबकिना ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल तो कोको गॉफ ने ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट जीतकर अपना इरादा जता दिया है।

रायबकिना ने सबालेंका को 73 मिनट में हराया

कजाखस्तान की टेनिस खिलाड़ी एलिना रायबकिना ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल अपने नाम किया। दूसरी सीड रायबकिना ने फाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को 6-0, 6-3 से शिकस्त दी। वर्ल्ड नंबर-4 रायबकिना ने सबालेंका को 73 मिनट में शिकस्त दी। यह उनके करियर का छठा टाइटल है। यह मुकाबला पिछले साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रिपीट था।

ग्रिगोर दिमित्रोव का 6 साल में पहला टाइटल

पुरुष सिंगल्स में ग्रिगोर दिमित्रोव ने टॉप सीड होल्गर रून को 7-6, 6-4 से हराया। यह दिमित्रोव का 6 साल में पहला और करियर का 9वां टाइटल है।

गॉफ ने स्वितोलिना को हराया

अमेरिकन टीनएजर टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ऑकलैंड क्लासिक चैम्पियन बनीं। 19 साल की गॉफ ने फाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-7, 6-3, 6-3 से हराया। यूएस ओपन चैम्पियन गॉफ ने ऑकलैंड क्लासिक का टाइटल बचाया। वे 35 साल बाद लगातार दो ऑकलैंड क्लासिक जीतने वाली पहली अमेरिकन खिलाड़ी बनीं। 1988, 1989 में अमेरिका की पैटी फेनडिक ने लगातार दो बार यहां खिताब जीते थे। टॉप सीड गॉफ ने 8 करियर डब्ल्यूटीए सिंगल्स फाइनल में से रिकॉर्ड 7वां टाइटल जीता। उन्होंने पिछले 33 सिंगल्स मैच में से 29 जीते। गॉफ ने टूर्नामेंट में लगातार 10वां मुकाबला अपने नाम किया।

एशियन शूटिंग क्वॉलीफॉयर में वरूण तोमर ने 10 मीटर स्पर्धा में जीता गोल्ड

ओलम्पिक कोटा भी किया हासिल

जकार्ता,08 जनवरी 2024 । भारत के उभरते हुए निशानेबाज वरूण तोमर ने सोमवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए 14वां ओलंपिक कोटा हासिल किया। भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पहले दिन तीन स्वर्ण पदक सहित कुल तीन पदक के साथ अपने अभियान का आगाज किया। बीस साल के तोमर ने फाइनल में 239.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि उनके हमवतन अर्जुन चीमा ने 237.3 अंक के साथ रजत पदक जीता। मंगोलिया के देवाखु एंखताइवान (217.2) ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

इससे पहले तोमर (586), अर्जुन (579) और उज्जवल मलिक(575) की भारतीय टीम कुल 1740 अंक के साथ टीम स्पर्धा में शीर्ष पर रही थी। ईरान और कोरिया ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पेरिस ओलंपिक के लिए कुल 16 कोटा स्थान दांव पर लगे हैं। पुरुषों और महिलाओं के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में चार कोटा हैं जिसमें से अधिकतम तीन भारतीय निशानेबाजों को मिल सकते हैं। ईशा सिंह, रिदम सांगवान और सुरभि राव महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में उतरेंगी जहां भारत को अभी पेरिस खेलों का कोटा हासिल करना है।
इस प्रतियोगिता में 26 देशों के लगभग 385 निशानेबाज पेरिस कोटा हासिल करने के अलावा 256 पदक (84 स्वर्ण, 84 रजत और 88 कांस्य पदक) जीतने के लिए जकार्ता की सेनायन निशानेबाजी रेंज में चुनौती पेश करेंगे। भारत इस प्रतियोगिता से पहले राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में 13 ओलंपिक कोटा स्थान हासिल कर चुका है। राइफल में जहां सभी कोटा स्थान सुरक्षित हो गए हैं वहीं पिस्टल में तीन कोटा हासिल हुए हैं।

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

साउथ अफ्रीका,08 जनवरी 2024। डीन एल्गर के बाद साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए अपने रिटायरमेंट की घोषणा की है। हेनरिक ने भारत के खिलाफ रांची में अक्टूबर 2019 में टेस्ट डेब्यू किया था। करीब 4 साल बाद उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है।
हेनरिक क्लासेन ने अपने टेस्ट से रिटायरमेंट की घोषणा सोशल मीडिया के माध्यम से की। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए लिखा कि कुछ रातों की नींद खराब करने के बाद ये सोचा है कि मैं सही निर्णय ले रहा हूं, मैंने रेड-बॉल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। ये एक मुश्किल फैसला है, जो मैंने लिया है। क्योंकि ये खेल का मेरा अब तक का पसंदीदा फॉर्मेट है। मैदान के अंदर और बाहर जिन लड़ाइयों का सामना मैंने किया है, उन्होंने ही मुझे आज क्रिकेटर बनाया है। ये एक शानदार यात्रा रही है और मझे खुशी है कि मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सका।
32 वर्षीय क्लासेन ने 2019 और 2023 के बीच साउथ अफ्रीका के लिए चार मैचों में खेलने के बाद लाल गेंद फॉर्मेट से दूर हो गए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ भारत में ही खेली गई सीरीज के साथ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में देश का प्रतिनिधित्व किया और पिछले समर सीजन में वे दो मैचों में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले। हालांकि, उनका प्रदर्शन इन मैचों में अच्छा नहीं रहा और इस कारण से उनको साउथ अफ्रीका की टेस्ट टीम से साइडलाइन कर दिया गया।
हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि हेनरिक को लाल गेंद का अनुभव नहीं है। उन्होंने 85 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिनमें 46 से ज्यादा के औसत से कुल 5347 रन बनाए हैं। उन्होंने 12 शतक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जड़े हैं। उनका बेस्ट स्कोर इस फॉर्मेट में 292 रन है, जब उन्होंने 4 डे सीरीज में बनाया था। क्रिकेट साउथ अफ्रीका को अपने रिटायरमेंट के बारे में बताते हुए क्लासेन ने कहा है कि कई रातों तक सोचने के बाद मैं इस नतीजों पर पहुंचा कि मुझे टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20 सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

नई दिल्ली,08 जनवरी 2024। भारतीय महिला क्रिकेट टीम लंबे और मिश्रित सफलता वाले घरेलू सत्र का अंत मंगलवार को यहां तीसरे और अंतिम मुकाबले में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्वदेश में पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतकर करना चाहेगी। तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर चल रही है और हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम के पास गत विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर 2024 टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के साल की शुरुआत इस प्रारूप में जीत के साथ करने का मौका है।

टीम इस प्रकार हैं:

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सेइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मीनू मणि।

ऑस्ट्रेलिया: डार्सी ब्राउन, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली (कप्तान), जेस योनासेन, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पैरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना फरवरी में करेंगे सगाई

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के डेटिंग की अफवाह है। हालाँकि, दोनों अभिनेताओं ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है। न्यूज 18 तेलुगु की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों फरवरी के दूसरे हफ्ते में अपनी सगाई को लेकर अनाउंसमेंट करने की योजना बना रहे हैं। हालाँकि, न तो रश्मिका मंदाना और न ही विजय देवरकोंडा ने इस पर कोई टिप्पणी की है।विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने दो फिल्मों - गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में अभिनय किया। यह व्यापक रूप से बताया गया है कि दोनों एक स्थिर रिश्ते में हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की सगाई की खबरें चल रही हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों फरवरी के दूसरे हफ्ते में सगाई कर लेंगे। उनकी सगाई की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में, रश्मिका ने हैदराबाद में विजय देवरकोंडा के घर पर दिवाली मनाई। दोनों को साथ में वेकेशन पर भी जाते देखा गया था।रश्मिका मंदाना ने रणबीर कपूर की एनिमल के साथ ब्लॉकबस्टर कमाई की, जिसने दुनिया भर में 800 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। अभिनेता वर्तमान में अल्लू अर्जुन की %पुष्पाः द रूल% की शूटिंग कर रहे हैं। प्रोडक्शन के विभिन्न चरणों में उनकी रेनबो, द गर्लफ्रेंड और चावा भी पाइपलाइन में हैं। विजय देवरकोंडा अगली बार परसुराम पेटला की फैमिली स्टार और निर्देशक गौतम तिन्नानुरी की वीडी 12 में नजर आएंगे।

'गुंटूर कारम' का ट्रेलर आया सामने

साउथ इंडियन सुपर स्टार महेश बाबू की मारधाड़ और एक्शन से भरपूर तेलुगु फिल्म 'गुंटूर कारम' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास और महेश बाबू की जोड़ी तीसरी बार कमाल दिखाने को तैयार है। महेश 'रमन रेड्डी' का किरदार निभाते दिखेंगे। वह सिस्टम के खिलाफ लोगों के हक के लिए लड़ता है, गुस्सा आने पर दमदार एक्शन करता है, खुश होने पर डांस करता है, सीटी बजाता है। फैंस उन्हें देखने के लिए बेचैन हैं। महेश एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ रोमांस करते नजर आएंगे।फिल्म में राम्या कृष्णन एक ऐसी मां की भूमिका में नजर आ रही हैं, जो अपने बेटे को अनाथ की तरह छोड़कर कहीं चली जाती है, लेकिन इसकी वजह क्या है। इन सभी सवालों का जवाब फिल्म रिलीज होने के बाद ही मिल पाएगा। महेश की पिछली फिल्म 'सरकारु वारी पाटा' थी। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली हैं। 'गुंटूर कारम' का मुकाबला रवि तेजा की फिल्म 'ईगल' से होगा, जो मकर संक्रान्ति पर रिलीज होने वाली है। 'गुंटूर कारम' 12 जनवरी को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

बेटी के साथ पति का घर छोड़ चुकी हैं ईशा

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर शादी के 14 साल बाद अपने पति टिम्मी नारंग से अलग हो गई है। कपल ने साल 2009 में शादी की थी। उनकी 9 साल की बेटी रियाना है। अब टिम्मी ने कंफर्म किया है कि उनका तलाक हो चुका है। हाल ही सूत्रों से यह खबर सामने आई थी। टिम्मी ने बात करते हुए कहा कि मैं ईशा से कानूनी रूप से नवंबर में ही कई म्यूचुअल शर्तों पर अलग हो गया था। बेटी ईशा के पास हैं।करीब डेढ साल तक तलाक पर विचार करने के बाद हमने इसे फाइनल करने का सोचा था। हम दोनों अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से आजाद हैं और मुझे नहीं लगता है कि इसमें कोई भी संदेह है। मैंने हाल की रिपोर्ट्स नहीं पढ़ी हैं और कानूनी ऑप्शन को लेकर सोचना भी कोई ऑप्शन नहीं रहा है, क्योंकि हमारा तलाक पहले ही हो चुका है। उल्लेखनीय है कि ईशा ने बॉलीवुड में बोल्ड एक्ट्रेस की इमेज बनाई थी। ईशा 'कृष्णा कॉटेज', 'डॉन', 'क्या कूल हैं हम', 'फिजा', '36 चाइना टाउन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। ईशा की आखिरी रिलीज फिल्म तमिल भाषा की 'अयलान' थी। साल 2019 में ईशा ने राजनीति में आने का फैसला किया था। वह बीजेपी में शामिल हुई थीं और फिलहाल महिला परिवहन विंग में भाजपा अध्यक्ष के रूप में काम कर रही हैं।

CMYK

संक्षिप्त खबरें

25 जनवरी से अयोध्या तक के लिए विशेष ट्रेन होगी रवाना

रायपुर,08 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही चुनावी वादों को पूरा करने में सरकार जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में अब एक और मोदी की गारंटी पूरा करने की दिशा में प्रदेश की

सरकार आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से बातचीत में जानकारी दी हैं कि इसी महीने 25 तारीख से प्रदेश के रामभक्तों के लिए अयोध्या तक के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इस स्पेशल ट्रेन से एक हजार से अधिक यात्री रवाना होंगे।उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। ऐसे में राम मंदिर का निर्माण होते देखना हम सभी का सौभाग्य है। छत्तीसगढ़ के यात्रियों में अयोध्या जाने भारी उत्साह है। बता दें कि भाजपा ने 'मोदी की गारंटी' यानी अपने चुनावी घोषणा पत्र में वादा किया ताकि सरकार बनने पर प्रदेश के लोगों को अयोध्या दर्शन कराया जाएगा।

बीजेपी नेता की हत्या पर हो रही बयानबाजी

» अज्ञात हमलावर ने कर दी बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

कांकेर-रायपुर,08 जनवरी 2024(ए)। भाजपा नेता असीम राय की अज्ञात हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। असीम राय देर शाम पुराना बाजार चौक स्थित एक दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उन पर गोली चला दी। सिर पर गोली लगने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। बता दें कि असीम राय भाजपा के जिला उपाध्यक्ष थे। इससे पहले वे पखांजूर नगर पंचायत के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। बीजेपी नेता को अज्ञात हमलावरों ने बाजार में गोली मारी है। मृतक नेता का नाम असीम राय था। जानकारी के मुताबिक, घटना पखांजूर के पुराना बाजार की घटना है। बीजेपी नेता और जिला उपाध्यक्ष असीम राय पखांजूर के पुराना बाजार पहुंचे थे।इस दौरान अज्ञात आरोपी ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, घटना की जानकारी के बाद कांकेर पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। मामले की जांच की जा रही है। मृतक बीजेपी नेता असीम राय पखांजूर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष भी थे। बीजेपी नेता की बाजार में हुई हत्या के बाद जिले में हड़कंप है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

बीजेपी नेता की हत्या,कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर डिप्टी सीएम शर्मा का पलटवार

ये नक्सलियों के साथ कॉम्प्रोमाइज्ड रहे हैं...

पखांजूर में बीजेपी नेता की हत्या को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस कह रही है पहले बीजेपी टारगेट किलिंग का आरोप लगाती आई थी और अब जब से बीजेपी की सरकार बनी है नक्सली

एक्टिविटी बढ़ी हैं। इस पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ये कॉम्प्रोमाइज रहे हैं नक्सलियों के साथ, ये सब जानते हैं।शर्मा ने कहा कि भाजपा नेता टू व्हीलर से जा रहे थे। तो उस समय उनकी मौत हुई। एक्स-रे हुआ, फोरेंसिक एक्सपर्ट भी वहां साथ थे। उन्होंने यह बताया कि उनके सिर में पीछे तरफ से ब्लीडिंग हो रही थी। जांच करने पर यह पता चला कि कोई ऑब्जेक्ट उनके सिर में है।

भाजपा सरकार से जनता परेशान,अपराध बढे,बीजेपी नेता भी सुरक्षित नहीं: बैज

राम के नाम से वोट मांग रही,कब तक धोखा देते रहेगी बीजेपी

छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराधिक घटनाओं पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था चरमरा गई है प्रदेश

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। अपराध बढ़ रहे हैं,पखांजूर में भाजपा नेता की हत्या हो गई ।
रामविचार नेताम के सद्बुद्धि वाले बयान पर पलटवार करते हुए बैज ने कहा कि सद्बुद्धि तो 15 साल में आई नहीं अभी आ रही है। हमने 5 साल में भगवान राम के लिए बहुत काम किए। लेकिन वोट नहीं मांगे। बीजेपी राम के नाम से वोट मांग रही है। कब तक धोखा देते रहेगी बीजेपी ?
रायपुर में हत्याएं हो रही है। छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं है। बीजेपी के अपने नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। बीजेपी पहले इसे टारगेट किलिंग कहती थी तो अभी कौनसा किलिंग है? कांग्रेस इस पर जरूर मंथन करेगी और उग्र आंदोलन भी करेगी।

सचिन पायलट 11 जनवरी को लेगें छत्तीसगढ़ कांग्रेस की अहम बैठक

रायपुर,08 जनवरी 2024(ए)। हार के बाद प्रदेश कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। इसी के

तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं नव-नियुक्त छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट की उपस्थिति में 11 जनवरी 2024 को दोपहर 3 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, राजीव भवन, रायपुर में प्रदेश कार्यकारिणी (कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्य. सदस्य, संयुक्त महामंत्री एवं सचिव), समस्त एआईसीसी सदस्यगण, समस्त विधायक, प्रत्याशीगण, जिला, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सहित मोर्चा, संगठन, प्रकोष्ठ विभाग के प्रदेश अध्यक्षों की अतिआवश्यक महत्वपूर्ण बैठक रखा गया है।

10 जनवरी को गृह ग्राम कुरुदडीह में होगा अंतिम संस्कार

» नंदकुमार बघेल की पार्थिव देह चीर निद्रा में पाटन सदन में अंतिम दर्शन के लिए रखी गई है...

रायपुर,08 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का निधन हो गया है। उन्होंने राजधानी के श्रीबालाजी हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। 89 वर्षीय नंदकुमार बघेल का निधन सुबह करीब 6 बजे हुआ है। बता दें कि नंद कुमार बघेल पिछले 3 महीने से श्रीबालाजी हॉस्पिटल में भर्ती थे। आज छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता

नंदकुमार बघेल की पार्थिव देह चीर निद्रा में पाटन सदन में अंतिम दर्शन के लिए रखी गई है। भूपेश बघेल भी दिल्ली से रायपुर आते ही पिता के दर्शन करने पहुँच गए हैं। बता दें नंदकुमार बघेल का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सोमवार सुबह 6 बजे उन्होंने रायपुर के बालाजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे पिछले 3 महीने से बीमार चल रहे थे।

राज्यपाल और सीएम साय ने नंदकुमार बघेल के निधन पर शोक व्यक्त किया

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतात्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवारजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना ईश्वर से की है।

रानू साहू की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

इस मामले में 6 महीने से जेल में है बंद

बिलासपुर,08 जनवरी 2024 (ए)। कथित कोयला घोटाला मामले में आईएएस रानू साहू की गिरफ्तारी के बाद उनकी जमानत अर्जी को लेकर आज हाईकोर्ट में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने सभी पक्षकारों की ओर से दी गई दलीलों को सुना, जिसके बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। प्रवर्तन निदेशालय ने आईएएस रानू साहू को बीते साल 22 जुलाई को गिरफ्तार किया था। रानू साहू ने अपने वकील के जरिए लोअर कोर्ट में भी याचिका दायर की थी, जिसके खारिज होने के बाद उन्होने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब इस मामले में सुनवाई शुरू है और कोयला घोटाले में उन पर

लगे गंभीर आरोप की भी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। आईएएस रानू साहू 2010 बैच की आईएएस अधिकारी है। राज्य शासन ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद 22 जुलाई 2023 को उन्हें सस्पेंड कर दिया था। इससे पहले गुरुवार 14 दिसंबर को 2023 को आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका पर बहस हुई थी, उस दौरान रानू साहू के वकील ने भी अपने तथ्य प्रस्तुत किए थे, लेकिन सुनवाई अधूरी रह गई.। जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसके लिए 8 जनवरी तक का समय दिया था।

इनकी भी हुई थी गिरफ्तारी

बता दें कि, छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय ने 540 करोड़ रूपए के कथित कोयला घोटाले का खुलासा किया था. 21 जुलाई को रानू साहू के देवेंद्र नगर स्थित सरकारी घर ईडीने छापा मारा था। इस दौरान करीब चौबीस घंटें की जांच के बाद ईडी ने 22 जुलाई की सुबह आईएएस रानू साहू को गिरफ्तार किया था। रानू साहू के अलावा सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई, एसएस नाग, सूर्यकांत तिवारी को भी गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा कुछ कांग्रेसी नेता भी जांच के दायरे में हैं. यह मामला अभी कोर्ट में चल रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)